राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,10 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–283 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली की हवा बहुत खराब, एक्यूआई 329

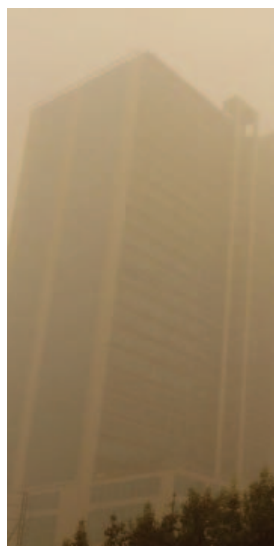

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में थोड़ा इजाफा हुआ है। बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 329 दर्ज किया गया। हालांकि हवा की गुणवत्ता अभी भी बेहद खराब श्रेणी में है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फारकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के मुताबिक नोएडा (उत्तर प्रदेश) का एक्यूआई 380 और गुरुग्राम (हरियाणा) में 336 दर्ज किया गया है। मंगलवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 324 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता सूचकांक अगर 0-100 के बीच होता है तो उसे अच्छा माना जाता है। 100-200 के बीच सामान्य माना जाता है यानि न अच्छा और न ही खराब। लेकिन 200-300 के बीच एक्यूआई का स्तर खराब श्रेणी में आता है और 300-400 के बीच बेहद खराब श्रेणी में। इस बीच दिल्ली एनसीआर में लागू ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान(ग्रैप)-4 के नियम वापस ले लिए गए हैं। दिल्ली में पहले की तरह ट्रकों की आवाजाही बहाल कर दी गई है। हालांकि अभी ग्रैप 3 के नियम लागू हैं जिसके तहत राजधानी में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है।

बीजेपी से नाराजगी या मोदी पर वार, क्या पीएम को रिसीव करने इस बार भी नहीं जाएंगे केसीआर?

हैदराबाद। तेलंगाना में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और भारतीय जनता पार्टी के बीच सियासी जंग जारी है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सप्ताह तेलंगाना पहुंच रहे हैं। अब सवाल उठने लगे हैं कि केसीआर 12 नवंबर को पीएम मोदी को रिसीव करने पहुंचेंगे या नहीं? अटकलें हैं कि वह इस काम से दूरी बना सकते हैं। हालांकि, अभी तक तेलंगाना राष्ट्र समिति की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

फरवरी में पीएम को लेने नहीं गए थे सीएम केसीआर

फरवरी में भी प्रधानमंत्री हैदराबाद पहुंचे थे। उस दौरान भी केसीआर उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे थे और कहा था कि निजी कार्यक्रम होने के चलते प्रोटोकॉल का पालन जरूरी नहीं था। अब अटकलें हैं कि 12 नवंबर को केसीआर भी पीएम की अगवानी के लिए पहुंचने की संभावना नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय विधायक और सांसद पीएम के कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

कांग्रेस ने भारत जोड़ो में झोंकी ताकत, सामने अब नई आफत, मुनुगोडे देख गुजरात में टेंशन

हालांकि, इस बार पीएम मोदी का कार्यक्रम आधिकारिक है और अगर प्रोटोकॉल का पालन किया जाए, तो सीएम का अगवानी के लिए जाना जरूरी है। अगर किसी कारण ऐसा होना संभव नहीं है, तो सरकार इस काम के लिए मंत्री को नियुक्त करते हुए जीओ जारी करेगी।

क्या केंद्र से नाराज हैं केसीआर?

रविवार को ही केसीआर ने पीएम और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा था और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश के आरोप लगाए थे। उन्होंने मोइनाबाद फार्माहाउस मामले के वीडियो क्लिप भी सार्वजनिक किए हैं, जिसमें कथित तौर पर भाजपा के लिए तीन लोग टीआरएस के चार विधायकों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं।

कार्यक्रम से भी बना सकते हैं दूरी

फरवरी में भी प्रधानमंत्री हैदराबाद पहुंचे थे। उस दौरान भी केसीआर उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे थे और कहा था कि निजी कार्यक्रम होने के चलते प्रोटोकॉल का पालन जरूरी नहीं था।

ऐसे में इस बात की संभावनाएं कम ही नजर आ रही हैं कि केसीआर रामगुंडम के कार्यक्रम में शामिल हों। इधर, सीपीआई महासचिव कुनमनेनी संभाशिव राव ने कहा है कि उनकी पार्टी पीएम मोदी की तेलंगाना यात्रा के दौरान विरोध प्रदर्शन करेगी।

रांची के होटवार जेल में डीसी और एसएसपी ने मारी रेड

यहां बंद हैं मनी लाउंड्रिंग और अवैध खनन के आरोपी

रांची। राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागर (होटवार) में छापेमारी हुई है। बुधवार अहले सुबह इस छापेमारी का नेतृत्व उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल कर रहे हैं। छापेमारी दल में एसडीएम, सिटी एसपी, सिटी डीएसपी और सदर डीएसपी सहित कई अन्य डीएसपी और थानेदार शामिल हैं। अभी पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है कि छापेमारी किस सिलसिले में की गई है। गौरतलब है कि झारखंड के मनी लाउंड्रिंग केस के सभी प्रमुख आरोपी इसी जेल में बंद हैं। ये जेल खेलगांव परिसर में स्थित है।

इसी जेल में बंद हैं मनी लाउंड्रिंग-अवैध खनन के आरोपी

बता दें कि होटवार जेल में मनी लाउंड्रिंग और अवैध खनन केस के कई प्रमुख आरोपी बंद हैं। निलंबित खान सचिव पूजा सिंघल, मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश उर्फ पीपी और बच्चू यादव इस समय इसी जेल में बंद हैं और ट्रायल का सामना कर रहे हैं। हो सकता है कि ये कार्रवाई हालिया पंकज मिश्रा फोन प्रकरण को

लेकर की गई हो। दरअसल, कुछ दिन पहले ईडी ने 2 लोगों को हिरासत में लिया था। इनसे पूछताछ में खुलासा हुआ था कि पंकज मिश्रा न्यायिक हिरासत में रहने के बावजूद फोन के जरिए कई वरीय अधिकारियों के संपर्क में था। हालांकि, पंकज मिश्रा रिम्स में इलाजरत है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, देश में खनिज का पता लगाने के लिए 13 निजी एजेंसियों को मान्यता

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में खनिज की खोज को लेकर अब तक 13 निजी एजेंसियों को मान्यता दी गई है। इस तरह निजी एजेंसियों की कुल संख्या बढ़कर 22 हो गई है। पिछले साल खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में संशोधन के बाद निजी कंपनियों को खदानों की खोज में भाग लेने की अनुमति दी गई है। ऐसी एजेंसियों को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआइ) के नेशनल एक्रिडिशन बोर्ड फार एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनएबीईटी) से मान्यता लेने की आवश्यकता होती है।

राजस्थान सरकार के साथ भी है जुड़ा

खान मंत्रालय के तहत आने वाला सार्वजनिक उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल), नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट फंडिग के माध्यम से खनिजों की खोज करता है। इसके अलावा, एमईसीएल ब्लाक के लिए रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज तैयार करने को लेकर परामर्श सेवाएं भी देता है। एमईसीएल राजस्थान के पश्चिमी भाग में पोटाश की उपलब्धता के अध्ययन के लिए राजस्थान सरकार के साथ भी जुड़ा है।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने खनन के लिए वेदांत को दिया न्योता

अफ्रीकी महाद्वीप के देश मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) ने अपने यहां पेट्रोलियम उत्पादों, यूरेनियम और लिथियम से लेकर सोने एवं हीरे तक के खनन के लिए भारतीय निवेशकों को आमंत्रित किया है। चारों तरफ जमीन से घिरे इस देश की वित्त मंत्री लिआ डूम्ता ने भारत के अपने दौरे पर भारतीय कंपनियों को खनन के लिए आमंत्रित किया।

सीएआर में है 470 खनिज संसाधनों के भंडार

उन्होंने कहा कि सीएआर भारत की वृद्धि एवं विकास माडल से अत्यधिक प्रभावित है और इसका अनुकरण करना चाहता है। विश्व बैंक के मुताबिक, सीएआर में करीब 470 खनिज संसाधनों के भंडार हैं, जिनमें पेट्रोलियम, सोना एवं हीरा शामिल हैं। सीएआर की कुल निर्यात आय में करीब आधी हिस्सेदारी हीरे की होती है। इसके अलावा यहां पर लौह अयस्क का सबसे बड़ा भंडार भी है। लौह अयस्क के अलावा सीएआर के पास लिथियम भी बहुतायत में पाया जाता है। इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी लिथियम पर ही आधारित होती है, लेकिन भारत को लिथियम का आयात करना पड़ता है।

लखनऊ समेत प्रदेश के कई इलाकों में महसूस हुए भूकंप के झटके, नेपाल था केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार आधी रात के बाद राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पहले की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.9 मापी गई, जबकि दूसरी बार काफी तेज झटके महसूस हुए। दूसरी बार की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.7 मापी गई। इसका केंद्र उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा पर जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। पहला झटका मंगलवार रात 8.52 बजे महसूस किया गया। इसके बाद आधी रात के बाद करीब 1.57 बजे काफी तेज झटके महसूस किए गए। तराई के लखीमपुर खीरी से लेकर लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, बरेली, संभल, मेरठ समेत दिल्ली और एनसीआर में भी धरती के कांपने से लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल पड़े। यही हालात राजधानी लखनऊ में भी देखने को मिला जब आधी रात को दरवाजे और घरों में रखे अन्य सामान खुद ब खुद हिलने लगे। इसके बाद घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि अभी तक किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। संभल के बबराला में रात को जाग रहे एक छात्र ने बताया कि बेड बुरी तरह से हिल रहा था। मेरठ, मुरादाबाद, लखनऊ, दिल्ली ये सब हिमालय के समांतर रेखा पर हैं। यहां पर कुछ लोगों ने हल्के झटके महसूस किए। यानी चार से लगभग पांच मैग्नीट्यूड। यदि अधिक बड़े होते तो बहुत लोग महसूस करते। बड़े भूकंप से पहले भी फोर शॉक आते हैं पर यह भी ऐसा है, नहीं कहा जा सकता है। वैसे प्लेट गति के कारण तनाव तो निरंतर जमा हो रहा है, और वह बहुत से छोटे-छोटे भूकंपों रिलीज़ नहीं होने वाला। यानी एक बड़ा भूकंप गंगा के मैदान में आशंकित है, लेकिन कब, यह कोई नहीं बता सकता।

जीतनराम मांझी का शराबबंदी पर नीतीश को सुझाव, बोले- एक क्वार्टर पीने वालों को न पकड़ें

पटना। बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने शराबबंदी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ऐसा सुझाव दिया है, जिसपर सियासी महकमे में चर्चा शुरू हो गई है। हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख मांझी ने कहा कि शराबबंदी की वजह से बिहार की जेलें भरी हुई हैं, इसपर समीक्षा करनी चाहिए। साथ ही एक क्वार्टर (पौआ) शराब पीने वालों को नहीं पकड़ना चाहिए। मांझी का ये बयान बिहार में शराब के उपभोग को रोकने के लिए नीतीश सरकार द्वारा अपनी रणनीति में बदलाव करने के बाद आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीतनराम मांझी ने मंगलवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने शराबबंदी पर खुलकर अपने विचार रखे। मांझी ने कहा कि वे शराबबंदी के पक्ष में हैं

लेकिन शर्त है कि इसे सही से लागू की जाए। अभी आलम ये है कि शराब पीने के आरोप में गरीब लोग जेल में बंद हैं और बड़े-बड़े तस्कर आराम से घूम रहे हैं। बिहार हो या गुजरात, हालात एक जैसे हैं। मांझी ने बिहार में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस ब्रेथ एनेलाइजर से लोगों की चेकिंग करती है। ये मशीन कभी गलत भी बताती है। जेलों में 70 फीसदी लोग ऐसे बंद हैं, जो सिर्फ आधा लीटर या ढाई सौ ग्राम शराब पीते हुए पकड़े गए। यह ठीक नहीं है। जो लोग सवा सौ या ढाई सौ ग्राम (एक क्वार्टर) शराब पीते हैं, उन्हें नहीं पकड़ना चाहिए।

नीतीश बोले- शराब बेचने वालों पर लगाम लगे

दो दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शराबियों को पकड़ने के बजाय शराब तस्करों और बेचने वालों पर नकेल कसें। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। सरकार ने साफ किया कि शराबबंदी कानून में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है।

आरक्षण पर टूटेगी 50 प्रतिशत की लिमिट ? EWS पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने छोड़ा सवाल

नई दिल्ली। सामान्य वर्ग के गरीबों को मिलने वाले EWS आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने भले ही मुहर लगा दी है, लेकिन अदालत में सुनवाई के दौरान कई ऐसे सवाल भी उठे हैं, जिन पर भविष्य में चर्चा तेज हो सकती है। सबसे अहम सवाल यही है कि क्या आने वाले वक्त में आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्यीय बेंच की ओर से ही तय 50 फीसदी की लिमिट खत्म होगी? EWS कोटे पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल पर खुलकर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन बहुमत की जो राय थी। उससे ऐसे ही संकेत मिल रहे हैं। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने सवाल उठाया था कि आरक्षण की 50 फीसदी सीमा पर भी विचार होना चाहिए। इस पर अदालत ने कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन वकीलों की ओर से जरूर इस पर तर्क दिए गए।

वहीं बहुमत वाले जजों की ओर से फैसला लिखने वाले जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि अदालत ने पहले जो 50 फीसदी की सीमा तय की थी, वह ऐसी नहीं है कि उसमें बदलाव न किया जा सके। उन्होंने कहा कि 50 फीसदी की लिमिट संविधा का

जरूरी प्रावधान नहीं है। वहीं अल्पसंख्यक मत वाले जजों ने भी 50 फीसदी की लिमिट पर कुछ नहीं कहा। हालांकि जस्टिस रविंद्र भट की ओर से यह जरूर साफ किया गया कि तमिलनाडु में 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण को लेकर एक अलग बेंच में सुनवाई चल रही है।

इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था

गौरतलब है कि इंदिरा साहनी केस में 9 जजों की संवैधानिक बेंच ने कहा था कि आरक्षण वह व्यवस्था है, जिसके तहत किसी वर्ग के संरक्षण और उसे अवसर देने के लिए प्रावाधन किए गए हैं। इसके तहत माइनॉरिटी सीटें ही आ सकती हैं। बता दें कि ईडब्ल्यूएस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से ही आरक्षण की लिमिट पर बहस तेज है। आरक्षण के कई पक्षकारों का कहना है कि इस कोटे को वैधता प्रदान करके सुप्रीम कोर्ट ने 50 फीसदी की लिमिट खत्म होने का रास्ता साफ कर दिया है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी मांग की है कि आरक्षण की 50 फीसदी की लिमिट को खत्म किया जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नाकामी का प्रदूषण

तंत्र की काहिली से बढ़ती आमजन की टीस

दरअसल, गंभीर स्थिति के चलते जब एक्यूआई लेवल चार सौ पचास को पार करता है तो ये सख्त प्रावधान लागू किये जाते हैं। जिसमें जरूरी वस्तुओं को छोड़कर अन्य ट्रकों व बीएस-6 के अलावा सभी चार पहिया डीजल वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी।

अच्छी बात है कि दिल्ली की आबोहवा में कुछ सुधार के संकेत हैं। दिल्ली सरकार ने अब ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रैप के स्टेज-4 के तहत लगे सख्त प्रावधानों में ढील दी है। लेकिन इसकी तीन श्रेणियों के प्रतिबंध स्थिति सामान्य होने तक जारी रहेंगे। दरअसल, दिल्ली में एआईक्यू लेवल के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के बाद ग्रैप के चौथी श्रेणी के कुछ सख्त प्रावधान लागू किये गये थे, जिसके प्रभाव आम लोगों के रोजगार व आर्थिकी के लिये कष्टकारी थे। दरअसल, गंभीर स्थिति के चलते जब एक्यूआई लेवल चार सौ पचास को पार करता है तो ये सख्त प्रावधान लागू किये जाते हैं। जिसमें जरूरी वस्तुओं को छोड़कर अन्य ट्रकों व बीएस-6 के अलावा सभी चार पहिया डीजल वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। जरूरी सामान के निर्माण के अलावा अन्य उद्योगों को बंद करने पर रोक लगाई गई। निर्माण कार्य पर रोक के साथ ही राज्य सरकार के पचास फीसदी कर्मचारियों को ऑफिस में काम करने तथा केंद्रीय कर्मियों को वर्क फ्रॉम होम करने के निर्देश शामिल रहे हैं। राज्य के स्कूल-कॉलेज बंद करने के निर्देश दिये गये। ऑड-ईवन की व्यवस्था लागू करने पर भी विचार किया गया। सवाल ये है कि जब दिवाली के बाद और ठंड की दस्तक देने पर दिल्ली की आबोहवा जहरीली हो जाती है तो पहले से तैयारी क्यों नहीं होती? क्यों प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों पर समय रहते रोक नहीं लगाई जाती? यह हर भारतीय के लिये शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। हमारे तंत्र व राजनेताओं की विफलता है कि वे कोर्ट की फटकार के बाद ही जागते हैं। ये नेता लगातार गाल बजाते हैं कि पराली के फलां विकल्प तैयार किये गये हैं,तो बहुउपयोगी पराली का पर्यावरण अनुकूल उपयोग क्यों नहीं होता? क्यों किसान अपनी जिद को छोड़ने को राजी नहीं है? हम क्यों नहीं स्वीकार करते कि क्रंकीट जंगल उगाकर हमने प्रदूषित वायु के निष्क्रमण की प्राकृतिक व्यवस्था को भंग कर दिया है। बहरहाल, इस मिनी लॉकडाउन ने कोरोना काल की उन कष्टदायक यादों को ताजा कर दिया जिसमें कामगारों में भय व्याप्त हुआ और लोग अपने घरों में नजरबंद होकर रह गये। सरकारों के तुगलकी फरमान अपनी नाकामियों को छुपाने के लिये तुरंत आ जाते हैं- स्कूल-कॉलेज बंद, लेकिन क्या बेरोजगारी, महंगाई के दंश झेल रहे लोग अपने बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प दे सकते हैं? वहीं जो लोग दफ्तरों में काम करके राजी नहीं हैं वे वर्क फ्रॉम होम की अवधारणा से न्याय कर पायेंगे? उद्योग, निर्माण तथा यातायात पर प्रतिबंध लगाने से उनके घर का चूल्हा जल सकेगा, जो रोज कुंआ खोदकर पानी पीते हैं? दरअसल, प्रदूषण की समस्या एक दिन की नहीं है। साल भर इससे निपटने के लिये काम करने की जरूरत है। मीडिया में प्रदूषण की खबरें हटने के बाद तंत्र भी अगले साल तक के लिये कुंभकर्णी नींद में सो जाता है। आखिर यह ढर्रा कब तक चलेगा?

सूक्ति

ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ न आदर है, न जीविका, न मित्र, न परिवार और न ही ज्ञान की आशा। - विनोबा भावे

अपने उसूलों के लिये, मैं स्वंय मरने तक को भी तैयार हूँ, लेकिन किसी को मारने के लिये, बिल्कुल नहीं। - महात्मा गाँधी

लॉफिंग ज़ोन

एक मुकदमे की सुनवाई चल रही थी. गवाही के लिए एक बूढ़ी महिला को बुलाया गया. सरकारी वकील ने बुढ़िया से पूछा, 'दादी मां, क्या आप मुझे जानती है?'

'हां, हां. बेटा मै तो तुझे बचपन से जानती हूं पर तुमने मुझे बहुत निराश किया है. तुम झूठ बोलते हो, अपनी बीवी को पीटते हो और लोगों के बारे में पीठ पीछे बाते करते हो. तुम खुद को तीसमारखां समझते हो, लेकिन तुम्हें पता नही है कि तुम किसी लायक नही हो.' बुढ़िया ने जवाब दिया. सरकारी वकील सन्न रह गया. हिम्मत बटोरकर उसने पूछा, 'दादी मां, क्या आप दूसरे वकील को भी जानती हैं?'

'हां, हां. बेटा मैं तो उसकी आया रही हूं. वह भी बिल्कुल तुम्हारे जैसा है. वह बहुत आलसी भी है और शराब का कीड़ा है. दुनिया में किसी से उसकी निभ नहीं सकती.' बुढ़िया ने जवाब दिया.

अदालत सन्न रह गई. जज ने तुरंत हथौडा पीटा, दोनों वकीलों को अपने पास बुलाया और बेहद कड़ी आवाज में फुसफुसाकर कहा, 'अगर तुममें से किसी ने भी बुढ़िया से यह पूछा कि क्या वह मुझे जानती है तो मै तुम्हें अदालत की अवमानना करने के जुर्म में जेल भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

नेतन्याहू की चुनौतीभरी एक और पारी

पुष्परंजन

नई सरकार में यामिना पार्टी के प्रमुख, नेफ्ताली बेनेट को सितंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री पद संभालना था, उसके बाद याइर लापिड नवंबर, 2025 तक पीएम की जिम्मेदारी देखते। यह फार्मूला उस समय भी व्यावहारिक रूप से सफल होता नहीं दिख रहा था। 13 जून, 2021 को नेफ्ताली बेनेट प्रधानमंत्री बने, मगर 30 जून, 2022 तक ही सरकार चला पाये। 6 जून, 2022 को वेस्ट बैंक वाले इलाके में ज़मीन-मकान के मामले में यहूदियों को फायदा पहुंचाने वाले 'सेटलर लॉ' को विस्तार देने संबंधी प्रस्ताव 58 और 52 के अंतर से संसद में गिर गया।

पूर्वाग्रह अनुमान आधारित होता है। प्रधानमंत्री के प्रिय नेताओं को लेकर एक धारणा बन गई थी कि उनके कई करीबी मित्रों की सत्ता चली गयी। नेतन्याहू, ट्रंप से लेकर शिंजो आबे तक तमाम नाम उस सूची में रहे हैं। जब ये ख़बर आई कि इस्राइली चुनाव में बीबी निक नेम से मशहूर बेंज़मिन नेतन्याहू जीत रहे हैं, तो सबसे पहले यही बात समझ में आई कि पूर्वाग्रहों की आयु लंबी नहीं होती है। मगर, उसके पलटवार में मोदी के शैदाई कहने लगे हैं कि नेतन्याहू की सत्ता में वापसी हुई है, तो ट्रंप भी भारी बहुमत से लौटेंगे। इस परिणाम से सबसे अधिक कोई प्रफुल्लित है, तो वह हैं प्रधानमंत्री मोदी। मोदी और बीबी की जोड़ी विश्वविख्यात रही है। 2 जून, 2021 में जब इस्राइल में आम चुनाव हो रहा था, बेंजमिन नेतन्याहू ने अहद किया था कि जीतते ही भारत का दौरा करूंगा। यह अरमान उन दिनों परवान नहीं चढ़ पाया था। यों, 14 जनवरी, 2018 को छह दिनों की यात्रा पर नेतन्याहू दिल्ली आये थे। 2003 के बाद किसी इस्राइली प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा थी। पिछले आठ वर्षों में दोनों देशों के बीच दक्षिणपंथी विचारधारा के स्तर पर 'पीपुल टू पीपुल कान्टेक्ट' काफी हुआ, उभयपक्षीय रणनीतिक हिस्सेदारी में भी तेज़ी आई। 2 जून, 2021 के बाद जो परिणाम आये, उसमें आठ घटक दलों की सरकार इस्राइल में बनी। सहयोगी दलों के शिखर नेताओं ने बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनने का फार्मूला स्वीकार किया था। नई सरकार में यामिना पार्टी के प्रमुख, नेफ्ताली बेनेट को सितंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री पद संभालना था, उसके बाद याइर लापिड नवंबर, 2025 तक पीएम की जिम्मेदारी देखते। यह फार्मूला उस समय भी व्यावहारिक रूप से सफल होता नहीं दिख रहा था। 13 जून, 2021 को नेफ्ताली बेनेट प्रधानमंत्री बने, मगर 30 जून, 2022 तक ही सरकार चला पाये। 6 जून, 2022 को वेस्ट बैंक वाले इलाके में ज़मीन-मकान के मामले में यहूदियों को फायदा पहुंचाने वाले 'सेटलर लॉ' को विस्तार देने संबंधी प्रस्ताव 58 और 52 के अंतर से संसद में गिर गया। तब गठबंधन में शामिल अरब राम पार्टी के दो सांसद और वामपंथी मेरेत्ज़ पार्टी के एक सांसद ने प्रस्ताव के विरुद्ध वोट किये थे। यदि इस पर वहां की संसद, 'क्नेसेट' की मुहर लग जाती, तो लगभग पांच लाख इस्राइली मूल के लोगों को लाभ पहुंचता। वेस्ट बैंक और पूर्वी जेरूसलम में 250 ऐसे सेटलमेंट हैं, जहां 6 लाख 83 हज़ार 553 लोग आशियाना स्थाई करने के वास्ते सत्तर के दशक से लड़ाई लड़ रहे हैं। फिलस्तीनी पक्ष का कहना है कि इन लोगों का कब्ज़ा ही अवैध है। इस्राइल की राजनीति में आशियाना और आबोदाना बड़ा मुद्दा रहा है, जो वहां की दक्षिणपंथी विचारधारा के लिए ईंधन का काम करता है। यों, 6 अप्रैल, 2022 को ही सेक्युलर गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई, जब यामिना पार्टी की सांसद इदित सिलमन ने अपने को सरकार से अलग कर लिया। वेस्ट बैंक में फिलस्तीनियों को मारने और अल अक्सा मस्जिद परिसर में कहर ढाने के कारण यूनाइटेड अरब लिस्ट जैसी पार्टी ने भी गठबंधन से हाथ खड़े कर दिये। संसद में कई विधेयकों के पास नहीं होने से आज़िज आकर तब के प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट ने 20 जून को संसद (क्नेसेट) भंग करने का प्रस्ताव रख दिया था। यह प्रस्ताव 30 जून को अनुमोदित हो गया, और 1 जुलाई, 2022 को चुनाव तक याइर लापिड को कार्यकारी प्रधानमंत्री बने रहने की ज़िम्मेदारी सौंप दी गई। याइर लापिड ने 2012 में इस्राइल की मध्यमार्गी पार्टी 'यश आतिद' का गठन किया था। याइर लापिड की पार्टी, 'यश आतिद' को सेक्युलर मिडल क्लास के पैरोकार के रूप में पहचान मिली है। कहने को इस्राइल में सेक्युलर सरकार चल रही थी, दरअसल पहले राउंड में सत्ता की कमान उस व्यक्ति के हाथों में दी गई थी, जिसका अतीत बताता है कि वह बेंजमिन नेतन्याहू से चार क़दम अधिक धुर दक्षिणपंथी रहा है। न्यू राइट पार्टी के नेता नेफ्ताली बेनेट कभी बेंजमिन नेतन्याहू के काफी क़रीबी माने जाते थे। 2013 से 2019 तक वे डायसपोरा मामलों के मंत्री रहे, उसके प्रकारांतर 2020 तक नेफ्ताली ने प्रतिरक्षा मंत्रालय भी संभाला था। गृहमंत्री रहते अरबों और फिलस्तीनियों पर कहर बरपाने की वजह से नेफ्ताली बेनेट कुख्यात हुए थे। वही इंसान प्रधानमंत्री के रूप में सभी दल-जमात के लोगों को लेकर सरकार चला लेगा, इसे लेकर पहले दिन से ही विश्लेषक शक करने लगे थे। गुरुवार देर रात जो चुनाव परिणाम आये, उसे देखकर हम यह भी नहीं कह सकते कि नेतन्याहू कैंप को 'लैंड स्लाइड विक्टरी' मिली है। 120 सीटों वाली संसद 'क्नेसेट' में लीकुड, यहूदीवादी शास और यूनाइटेड तोराह जूडिजम जैसे दक्षिणपंथी गठबंधन को 64 सीटें हासिल हुई हैं। यानी प्रतिपक्ष केवल चार सीटों से पीछे रहा है। इस्राइल की 65 सदस्यीय नई गठबंधन सरकार में 40 ऐसे सांसद नज़र आयेंगे, जो रूढ़िवादी यहूदी हैं। चार पार्टियों की गठबंधन सरकार में तीन तो घोषित रूप से आर्थोडॉक्स हैं। इनमें सेफार्डिक यहूदियों की समर्थक शास पार्टी, जो सियासत में औरतों की भागीदारी नहीं चाहती, दूसरा रोमन साम्राज्य के सपने देखने वाली अश्केह-नाजी यहूदियों की 'यूनाइटेड तोराह जूडिजम' और तीसरी पार्टी का नाम है, 'रिलीजिस ज़ियोनिजम' जिसके नेता हैं राब्बी मेइर कहाने, इन तीनों से नेतन्याहू की लीकुड पार्टी की कितनी बनती है? इस सवाल को अभी भविष्य पर छोड़ देते हैं। इस चुनाव में सबसे बड़ा नुकसान महिला प्रतिनिधियों का हुआ है। 65 सीटों की गठबंधन सरकार में महिला सांसद केवल 12.31 फीसद होंगी, यह वहां के सभ्य से दिखने वाले समाज पर सवाल खड़े करता है। केवल आठ महिला सांसद सत्ता पक्ष में, जिनमें लीकुड पार्टी की पांच और बाक़ी तीन रिलीजियस ज़ियोनिजम (त्कुमा से प्रख्यात) पार्टी की महिलाएं हैं। पिछली नेफ्ताली बेनेट-याइर लापिड गठबंधन सरकार में 24 महिला सांसदों के अलावा कैबिनेट में सात महिलाओं को जगह दी गई थी। यह दिलचस्प है कि इस्राइल में महिलाएं 50.19 प्रतिशत हैं, और पुरुष 49.81 प्रतिशत। पुरुषों के मुकाबले लगभग 34 हज़ार अधिक महिलाएं जिस देश में हों, वहां संसद में उनके प्रतिनिधित्व की स्थिति देखकर लगता है कि राजनीतिक रूप से कितना बंद समाज है। क्या भारतीय राजनीति की पाठशाला में इनसे सबक लेना चाहिए? नेतन्याहू सत्ता में लौटने के बाद एक बार फ़िर भारत आएंगे। 1992 में जो उभयपक्षीय व्यापार 20 करोड़ डॉलर का था, 2021-22 में बढ़कर 7 अरब 86 करोड़ डॉलर का हो चुका है। बीबी और मोदी की जोड़ी इसे और आगे बढ़ायेगी, निश्चिंत रहिये।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

आर्थिक क्षेत्र में भी राष्ट्रीयता का भाव होना आवश्यक

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

युगदृष्टा एवं राष्ट्रऋषि श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी के जन्म दिवस (10 नवम्बर) पर लेख

श्री दत्तोपंत जी ठेंगड़ी का जन्म 10 नवम्बर, 1920 को, दीपावली के दिन, महाराष्ट्र के वर्धा जिले के आर्वी नामक ग्राम में हुआ था। श्री दत्तोपंत जी के पित्ताजी श्री बापूराव दाजीबा ठेंगड़ी, सुप्रसिद्ध अधिवक्ता थे, तथा माताजी, श्रीमती जानकी देवी, गंभीर आध्यात्मिक अभिरूची से सम्पन्न थी। उन्होंने बचपन में ही अपनी नेतृत्व क्षमता का आभास करा दिया था क्योंकि मात्र 15 वर्ष की अल्पायु में ही, आप आर्वी तालुका की 'वानर सेना' के अध्यक्ष बने तथा अगले वर्ष, म्यूनिसिपल हाई स्कूल आर्वी के छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गये थे। आपने बाल्यकाल से ही अपने आप को संघ के साथ जोड़ लिया था और आपने अपने एक सहपाठी और मुख्य शिक्षक श्री मोरोपंत जी पिंगले के सानिध्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्गों का तृतीय वर्ष तक का प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कर लिया। आपके वर्ष 1936 से नागपुर में अध्यनरत रहने तथा श्री मोरोपंत जी से मित्रता के कारण आपको परम पूजनीय डॉक्टर जी को प्रत्यक्ष देखने एवं सुनने का अनेक बार सौभाग्य प्राप्त हुआ और आगे चलकर आपको परम पूजनीय श्री गुरूजी का भी अगाध स्नेह और सतत मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। दिनांक 22 मार्च 1942 को संघ के प्रचारक का चुनौती भरा दायित्व स्वीकार कर आप सुदूर केरल प्रान्त में संघ का विस्तार करने के लिए कालीकट पहुंच गए थे। श्री दत्तोपंत जी बचपन में ही संघ के साथ जुड़ गए थे अतः आपके व्यक्तित्व में राष्ट्रीयता की भावना स्पष्ट रूप से झलकती थी। आपके व्यक्तित्व का चित्रण करते हुए श्री भानुप्रताप शुक्ल जी लिखते हैं कि ÷रहन-सहन की सरलता, अध्ययन की व्यापकता, चिन्तन की गहराई, ध्येय के प्रति समर्पण, लक्ष्य की स्पष्टता, साधना का सातत्य और कार्य की सफलता का विश्वास, श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी का व्यक्तित्व रूपायित करते हैं।÷ चूंकि श्री दत्तोपंत जी मजदूर क्षेत्र से सम्बंधित रहे थे अतः आपको वर्ष 1969 में भारत के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में रूस एवं हंगरी जाने का मौका मिला। यह यात्रा आपके लिए साम्यवाद के वास्तविक स्वरूप का बारीकी से अध्ययन करने का एक अच्छा अवसर साबित हुई। इस यात्रा के बाद आपने अनुभव किया कि साम्यवादी विचारधारा में खोखलापन है एवं यह कई अन्तर्विरोधों से घिरी हुई है। हालांकि उस समय दुनिया के कई देशों में साम्यवाद अपनी बुलंदियों को छू रहा था, परंतु श्री दत्तोपंत जी ने उसी समय पर बहुत आत्मविश्वास के साथ कहा था कि आगे आने वाले समय में साम्यवाद अपने अन्तर्विरोधों के कारण स्वतः ही समाप्त हो जाएगा इसके लिए किसी को किसी प्रकार के प्रयत्न करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आज परिणाम हम सभी के सामने है। इसी प्रकार आपकी आर्थिक दृष्टि भी बहुत स्पष्ट थी। आर्थिक क्षेत्र के संदर्भ में साम्यवाद एवं पूंजीवाद दोनों ही विचारधाराएं भौतिकवादी हैं और इन दोनों ही विचारधाराओं में आज तक श्रम एवं पूंजी के बीच सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाया है। इस प्रकार, श्रम एवं पूंजी के बीच की इस लड़ाई ने विभिन्न देशों में श्रमिकों का तो नुकसान किया ही है साथ ही विभिन्न देशों में विकास की गति को भी बाधित किया है। आज पश्चिमी देशों में उपभोक्तावाद के धरातल पर टिकी पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं पर भी स्पष्टतः खतरा मंडरा रहा है। 20वीं सदी में साम्यवाद के धराशायी होने के बाद एक बार तो ऐसा लगने लगा था कि साम्यवाद का हल पूंजीवाद में खोज लिया गया है। परंतु, पूंजीवाद भी एक दिवास्वप्न ही साबित हुआ है और कुछ समय से तो पूंजीवाद में छिपी अर्थ सम्बंधी कमियां धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। पूंजीवाद के कट्टर पैरोकार भी आज मानने लगे हैं कि पूंजीवादी व्यवस्था के दिन अब कुछ ही वर्षों तक के लिए सीमित हो गए हैं और चूंकि साम्यवाद तो पहिले ही पूरे विश्व में समाप्त हो चुका है अतः अब अर्थव्यवस्था सम्बंधी एक नई प्रणाली की तलाश की जा रही है जो पूंजीवाद का स्थान ले सके। वैसे भी, तीसरी दुनियां के देशों में तो अभी तक पूंजीवाद सफल रूप में स्थापित भी नहीं हो पाया है। धरातल पर अर्थ के क्षेत्र में हम आज जो उक्त वास्तविकता देख रहे हैं, यह श्री दत्तोपंत जी की दृष्टि ने अपने जीवनकाल में बहुत पहिले ही देख ली थी। इसी कारण से आपने निम्न तीन विषयों पर डंकेल प्रस्तावों का गहराई से अध्ययन करने के पश्चात इनका न केवल डटकर विरोध किया था बल्कि आपने इसके विरुद्ध देश में एक सफल जन आंदोलन भी खड़ा किया। आपका स्पष्ट मत था कि बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का व्यापार, निवेश सम्बन्धी उपक्रमों का व्यापार एवं कृषि पर करार सर्बंधित डंकेल प्रस्ताव भविष्य में विकासशील देशों के लिए गुलामी का दस्तावेज साबित होंगे क्योंकि यह विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के लिए आर्थिक साम्राज्यवाद ला सकते हैं एवं इससे विकासशील देशों की संप्रभुता संकट में पड़ जाएगी। दरअसल वर्ष 1980 से ही श्री दत्तोपंत जी ने विकसित देशों के साम्राज्यवादी षड्यंत्रों से भारत को आगाह करना प्रारम्भ किया था। आपका स्पष्ट मत था कि विश्व बैंक, अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं इसी प्रकार की अन्य बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के माध्यम से विकसित देशों द्वारा विकासशील एवं अविकसित देशों का शोषण किया जा सकता है क्योंकि इस प्रकार के संस्थानों पर विकसित देशों का पूर्ण कब्जा रहता है। श्री दत्तोपंत जी का उक्त चिंतन भी सत्य होता दिखाई दे रहा है क्योंकि अभी हाल ही में चीन द्वारा श्रीलंका, पाकिस्तान एवं अन्य कई देशों को ऋण के जाल में फंसाकर इन देशों के सामरिक महत्व वाले बंदरगाहों आदि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया है। इन्ही कारणों के चलते श्री दत्तोपंत जी ने आर्थिक क्षेत्र में साम्यवाद एवं पूंजीवाद के स्थान पर राष्ट्रीयता से ओतप्रोत एक तीसरे मॉडल का सुझाव दिया था। साम्यवाद और पूंजीवाद दोनों विचारधाराओं को, भौतिकवादी विचार दर्शन पर आधारित होने के चलते, आपने अस्वीकार कर दिया था एवं आपने हिन्दू विचार दर्शन के आधार पर 'थर्ड वे' का रास्ता सुझाया। अर्थात, हिन्दू जीवन मूल्यों के आधार पर ही आर्थिक व्यवस्था के लिए तीसरा रास्ता निकाला था। पाश्चात्य आर्थिक प्रणाली भारतीय परम्पराओं के मानकों पर खरी नहीं उतरती है। भारत में तो हिंदू अर्थव्यवस्था ही सफल हो सकती है। आप अपने उद्बोधनों में कहते थे कि कि समावेशी और वांछनीय प्रगति और विकास के लिए एकात्म दृष्टिकोण बहुत जरूरी है। वर्तमान में दुनियाभर में उपभोक्तावाद जिस आक्रामकता से बढ़ रहा है, उससे आर्थिक असमानता चरम पर है। इसके समाधान के लिए आपने हिंदू जीवन शैली और स्वदेशी को विकल्प बताया। आपका मत था कि हमें अपनी संस्कृति, वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के लिए आकांक्षाओं के आलोक में प्रगति और विकास के अपने माडल की कल्पना करनी चाहिए।

(चिंतन-मनन)

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलन मस्क की नेटवर्थ में 70 अरब डॉलर की गिरावट

- मस्क की नेटवर्थ 194.8 अरब डॉलर रह गई

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने जब से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर खरीदने की डील पूरी की तबसे उनकी नेटवर्थ में लगातार गिरावट आ रही है। इसकी वजह यह है कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। निवेशकों को लग रहा है कि मस्क का फोकस अब ट्विटर पर रहेगा। इसलिए वह टेस्ला के शेयरों से किनारा कर रहे हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी है। इसमें मस्क की 15 फीसदी हिस्सेदारी है और वह कंपनी के सबसे बड़े शेयरहोल्डर हैं। कंपनी का मार्केट कैप 622 अरब डॉलर है और यह दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। सूत्रों के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 194.8 अरब डॉलर रह गई है। इस साल पहली बार उनकी नेटवर्थ 200 अरब डॉलर से कम रह गई है। पिछले साल नवंबर की शुरुआत में उनकी नेटवर्थ 335 अरब डॉलर पहुंच गई थी। लेकिन इस साल इसमें काफी गिरावट आई है। इस साल टेस्ला की मार्केट वैल्यू में करीब आधी गिरावट आई है। मस्क ने अप्रैल में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदने का ऑफर दिया था। तब से मस्क की नेटवर्थ में 70 अरब डॉलर की कमी आ चुकी है। ` निवेशकों को लग रहा था कि ट्विटर डील की फंडिंग के लिए मस्क टेस्ला के शेयरों को बेच सकते हैं। अब निवेशकों को लग रहा है कि मस्क ट्विटर को ज्यादा समय दे सकते हैं जिससे टेस्ला का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। मंगलवार को भी टेस्ला के शेयरों मे 2.93 फीसदी की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इससे मस्क की नेटवर्थ में 3.78 अरब डॉलर की गिरावट आई। अब उनकी नेटवर्थ 179 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 90.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस मामले में उन्होंने फेसबुक के सीईओ मार्क जकरबर्ग को पीछे छोड़ दिया है। जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल 88.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

कीस्टोन ने आईपीओ का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली। रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियों की बिक्री करने वाली कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स ने 635 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 514-541 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ 14 नवंबर को खुलेगा। एंकर निवेशक शेयरों के लिए 11 नवंबर को बोली लगा सकेंगे। निर्गम 16 नवंबर को बंद होगा। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ के जरिए कंपनी की 635 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। पहले कंपनी ने आईपीओ से 850 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई थी लेकिन अब इसका आकार घटा दिया गया है। आईपीओ में 560 करोड़ रुपए तक नये शेयर जारी किए जाएंगे और इसके प्रवर्तक 75 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। कंपनी के शेयर 24 नवंबर को बीएसई और एनएसई दोनों बाजारों में सूचीबद्ध होंगे।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । रियल्टी क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 54 फीसदी बढ़कर 54.96 करोड़ रुपए रहा है। एक वर्ष पहले समान तिमाही में उसे 35.73 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय भी बढ़कर 369.20 करोड़ रुपए हो गई है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 334.22 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने मंगलवार को बताया था कि एक आवासीय परियोजना के विकास के लिए उसने पुणे में 12 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। इस परियोजना का अनुमानित बिक्री राजस्व 2,000 करोड़ रुपए है।

वित्त मंत्रालय ने सॉवरेन हरित बांड के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया

नई दिल्ली: (एजेंसी)

वित्त मंत्रालय ने वैश्विक मानकों के अनुरूप सॉवरेन हरित बांड जारी करने की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार चालू वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के दौरान हरित बांड जारी करके 16,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। यह दूसरी छमाही के लिए उधार कार्यक्रम का एक हिस्सा है। सूत्रों ने कहा कि रूपरेखा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। बजट में ऐसे बांड जारी करने की घोषणा की गई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल अपने बजट भाषण में घोषणा की थी कि सरकार हरित अवसंरचना ढांचे के लिए संसाधन जुटाने की खातिर सॉवरेन हरित बांड जारी करने का प्रस्ताव रखती है। उन्होंने बजट 2022-23 में कहा था, ''इस राशि को सार्वजनिक क्षेत्र की उन परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जो अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को कम करने में मदद करती हैं।'' सरकार की चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-मार्च अवधि के दौरान कुल 5.92 लाख करोड़ रुपए का उधार लेने की योजना है। 2022-23 के बजट में सरकार ने 14.31 लाख करोड़ रुपए के सकल बाजार ऋण का अनुमान लगाया था। इसमें से उन्होंने इस वित्त वर्ष के दौरान 14.21 लाख करोड़ रुपए उधार लेने का फैसला किया है, जो बजट अनुमान से 10,000 करोड़ रुपए कम है।

पीरामल बॉन्ड जारी कर जुटाएगी 650 करोड़

नई दिल्ली । पीरामल एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बॉन्ड जारी कर 650 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि इस बॉन्ड निर्गम का आकार 50 करोड़ रुपये तक रखा गया है। इसमें 600 करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त अभिदान को भी रखने विकल्प शामिल होगा। निदेशक मंडल की प्रशासनिक समिति की बैठक में सुरक्षित, सूचीबद्ध, भुगतान-योग्य, बाजार से जुड़े गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर को निजी आवंटन आधार पर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

कोल इंडिया का पूंजीगत व्यय अप्रैल-सितंबर के दौरान 33 प्रतिशत बढ़कर 7,027 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, कोल इंडिया लि. का पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 7,027 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बुधवार को कहा कि एक साल पहले इसी अवधि में पूंजीगत व्यय 5,300 करोड़ रुपये था। कोल इंडिया ने एक बयान में कहा कि खदानों के पास कोयला निकालने और उसके परिवहन से जुड़े बुनियादी ढांचे पर कुल पूंजीगत व्यय का 36 प्रतिशत हिस्सा यानी 2,547 रुपये खर्च हुए हैं। इसमें कोयला रखरखाव संयंत्र/ गोदाम और रेलवे लाइन शामिल हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''दीर्घकालीन विकास संभावनाओं के लिये पूंजी व्यय को आगे बढ़ाना जरूरी है। बढ़ते उत्पादन के साथ परिवहन को लेकर बेहतर बुनियादी ढांचा आवश्यक है। इसको ध्यान में रखते हुए कोल इंडिया खदानों से कोयला परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये तेज कदम उठाए हैं। इससे भविष्य में कोयले के सुचारू परिवहन में मदद मिलेगी।'' कंपनी के ज्यादातर पूंजीगत व्यय तीन अनुषंगी इकाइयों एमसीएल, एनसीएल और एसईसीएल ने किये। कोल इंडिया की देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

गौतम अडानी एक बार फिर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस बनने के बेहद नजदीक

नई दिल्ली: (एजेंसी)

एशिया के सबसे बड़े अमीर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी एक बार दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे पायदान की ओर अपने कदम मजबूती से बढ़ा दिए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजी सूची में अडानी अब दूसरे नंबर पर काबिज बर्नार्ड अर्नाल्ट से केवल 7 अरब डॉलर की दूरी पर हैं। पहले नंबर पर एलन मस्क हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के टॉप-10 अमीरों में शामिल भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी की नेटवर्थ में एक दिन में 2.8 अरब डॉलर बढ़ी है। वहीं, एलन मस्क की संपत्ति एक दिन में 6.6 अरब डॉलर कम हो गई है। इसके अलावा दुनिया के दूसरे सबसे अमीर लुई विटन के बॉस बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति में 520 मिलियन डॉलर की गिरावट देखी गई।

जेफ बेजोस अडानी से बहुत पीछे

कभी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति रहे अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ब्लूमबर्ग टॉप-10 बिलेनियर लिस्ट में चौथे नंबर पर है। अब उनके पास कुल संपत्ति 114 अरब डॉलर रह गई है। अडानी का नेटवर्थ जेफ बेजोस के नेट वर्थ से 22 अरब डॉलर अधिक है। इस समय अडानी के पास कुल 136 अरब डॉलर की संपत्ति है।

कहां से आ रहा है अडानी के पास इतना पैसा

अडानी की दौलत का बड़ा हिस्सा अडानी समूह के पास सार्वजनिक हिस्सेदारी से प्राप्त होता है, जिससे उन्होंने इसकी स्थापना की थी। मार्च 2022 स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, अडानी इंटरप्राइजेज, अडानी पावर और अडानी ट्रांसमिशन में उनके पास 75त्न हिस्सेदारी है। वह अडानी टोटल गैस का लगभग 37त्न, अडानी पोर्ट्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र का 65त्न और अडानी ग्रीन एनर्जी का 61त्न मालिक हैं। ये सभी कंपनियां सार्वजनिक रूप से कारोबार करती हैं और अहमदाबाद में स्थित हैं।

ओला ने 1 लाखवां इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया

-कंपनी ने बीते 10 महीने में बना डाली 1 लाख गाड़ियां

नई दिल्ली । (एजेंसी)

ईवी स्टार्ट अप ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी में स्थित अपने सभी महिलाओं द्वारा चलने वाली फ्यूचरफैक्ट्री से 1 लाखवां इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया है।कंपनी यह उपलब्धि केवल 10 महीनों में हासिल करने में सफल रही। ओला इलेक्ट्रिक के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो में एस1 एयर, एस1 और एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं।इस बारे में भाविश अग्रवाल ने कहा, भारत के विद्युतीकरण की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद से हमने ग्राहकों को किसी भी उत्पाद की तुलना में बहुत बेहतर उत्पाद और अनुभव प्रदान करके अपने देश में ईवीएस की क्षमता को अनलॉक किया है। यह उपलब्धि सिर्फ शुरुआत है. अग्रवाल ने आगे कहा कि अगले 1 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर इस आधे समय में होगी बनाए जाएंगे, क्योंकि ईवीएस की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है।भारत मिशन इलेक्ट्रिक को पहले से कहीं ज्यादा हकीकत बनाने के करीब है।गौरतलब है कि ओला इलेक्ट्रिक ने अक्टूबर 2022 में भारत में 20,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं, जो सभी ईवी निर्माताओं में सबसे ज्यादा संख्या है।ओला की यह बिक्री पिछले महीने के हिसाब से 60 फीसदी ज्यादा है। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में भारत में एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर भी लॉन्च किया था। एस1 एयर, ओला के लाइन-अप में एस1 और एस1 प्रो से छोटा मॉडल है।वर्तमान में कंपनी का सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 84,999 रुपये रखी गई है। ओला एस1 एयर में 2.5 केडब्ल्यूएच का लिथियम-आयन बैटरी पैक मिलता है और दावा किया जाता है कि यह प्रति चार्ज 101 किमी तक की रेंज दे सकता है।अग्रवाल ने पिछले महीने दीपावली से पहले नए एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर को पेश करते हुए अग्रवाल ने कहा था कि अगले छह से आठ महीनों में हम मौजूदा स्थापित क्षमता का पूरा दोहन कर सकते हैं।

सोना 141 रुपये टूटा, चांदी 132 रुपये चढ़ी

नयी दिल्ली, रुपये में तेजी आने से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 141 रुपये टूटकर 51,747 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में पीली धातु का भाव 51,888 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 132 रुपये की बढ़त के साथ 62,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। गौरतलब है कि बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 50 पैसे चढ़कर 81.42 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।= एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक विनय रजनी ने कहा, ''अमेरिकी बाजार में सोने के भाव आज एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,713 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी गिरावट के साथ 21.25 डॉलर प्रति औंस पर रही।

एयर इंडिया ने चीन डेवलपमेंट बैंक एविएशन से छह ए320 नियो विमान किराए पर लिए

सिंगापुर: (एजेंसी)

टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने चीन डेवलपमेंट बैंक फाइनेंशियल लीजिंग कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी आयरलैंड की सीडीबी एविएशन से छह एयरबस ए320 नियो विमानों का एक बेड़ा पट्टे (लीज) पर लिया है। बुधवार को सीडीबी एशिया ने एक बयान में बताया कि विमानों को पट्टे पर लेने के समझौते पर हस्ताक्षर 'एयरलाइन इकोनॉमिक्स ग्रोथ फ्रंटियर्स एशिया पेसिफिक-2022'सम्मेलन से इतर किए गए। टाटा समूह ने एयरलाइन की खरीद के बाद इसकी बहुस्तरीय परिवर्तन योजना की घोषणा की थी। इसके तहत सीडीबी एविएशन वह पहली कंपनी है जो एयर इंडिया को अतिरिक्त ए 320 नियो विमानों को पट्टे पर देगी। एयर इंडिया को ये विमान 2023 की दूसरी छमाही में मिलेंगे। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने समझौते के बारे में कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण समझौता है, जो हमें अत्याधुनिक विमानों के साथ अपने बेड़े को मजबूत करने में मदद करेगा।' बयान में कहा गया, 'यह हमारी परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे हमारी कनेक्टिविटी बढ़ेगी।'

19 नवंबर को देश भर के बैंकों में रह सकती है हड़ताल

बैंकिंग और एटीएम सेवाएं हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली । (एजेंसी)

19 नवंबर को देश भर के बैंकों में हड़ताल रह सकती है। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ ने 19 नवंबर को एक दिन के हड़ताल का आह्वान किया है। हड़ताल से एटीएम सहित सभी बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। पब्लिक सेक्टर के बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में बताया कि अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव ने भारतीय बैंक एसोसिएशन को हड़ताल का नोटिस दिया है। नोटिस में बताया गया है कि एआईबीईए के सदस्यों ने अपनी मांगों के समर्थन में 19 नवंबर को हड़ताल पर जाने का प्रस्ताव रखा है।

बैंक ने बताया कि वह हड़ताल वाले दिन में बैंक की ब्रांच और ऑफिसों में कामजारी जारी रखने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है, हालांकि हड़ताल अगर होती है बैंकिंग सेवाएं उस दिन प्रभावित रह सकती हैं। इससे पहले अक्टूबर में एआईबीईए के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने एक बयान में कहा था कि यूनियन में सक्रिय रहने वाले बैंकरों को निशाना बनाकर उत्पीड़न किए जाने के विरोध में उनके सदस्य हड़ताल करेंगे। हाल ही में ऐसे बैंकरों पर हमले न केवल बढ़े हैं, बल्कि उनके खिलाफ उठाए जा रहे सभी कदमों में एक तरफ की समानता दिख रही है। इन हमलों में एक साजिश है। इसलिए हमें एआईबीईए के स्तर पर इन हमलों का विरोध, जवाबी कार्रवाई और प्रतिकार करना होगा।

यूपी और बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.36 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। बुधवार को ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.36 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई का भाव गिरकर 87.82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस बीच कुछ राज्यों में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बिहार में पेट्रोल बढ़कर 109.66 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 96.28 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में पेट्रोल बढ़कर 96.49 रुपए प्रति लीटर और डीजल 89.66 पर पहुंच गया है। इसके अलावा राजस्थान में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है, यहां पेट्रोल बढ़कर 108.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 93.47 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ गुजरात, मध्य प्रदेश समेत कुछ राज्यों में कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

क्रेडाई-एनसीआर ने एकमुश्त निपटान योजना लाने का आग्रह किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

रियल्टी कंपनियों के निकाय क्रेडाई-एनसीआर ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास प्राधिकरणों से बिल्डरों के लिए एकमुश्त निपटान योजना लाने का आग्रह किया ताकि भूमि के एवज में उनके सभी बकाया भुगतान का निपटान किया जा सके। एसोसिएशन का सुझाव उच्चतम न्यायालय द्वारा 10 जून, 2020 के अपने आदेश को वापस लेने के एक दिन बाद आया है। इस आदेश में विभिन्न बिल्डरों को पट्टे पर दी गई भूमि के बकाए पर ब्याज की दर की सीमा आठ प्रतिशत निर्धारित की गई थी। शीर्ष अदालत का आदेश उत्तर प्रदेश (यूपी) में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बिल्डरों के लिए एक झटका है। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की पीठ ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अपील को इस आधार पर अनुमति दी क्योंकि दोनों प्राधिकरणों का कहना था कि इस आदेश की वजह से उन्हें भारी नुकसान हो रहा है और उनका कामकाज लगभग ठप हो गया है। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रेडाई-एनसीआर के अध्यक्ष मनोज गौड़ ने कहा कि न्यायालय के आदेश को वापस लेने से अस्पष्टता और बाद में ब्याज दरों के प्रमुख मुद्दे पर गतिरोध दूर हो गया। लेकिन प्राधिकरण को ब्याज दर और जिस तरह से यह इसे बिल्डरों पर लगाया जाता है, उस पर पुनर्विचार करना चाहिए। यह न केवल उच्च ब्याज दर है, बल्कि दंडात्मक ब्याज भी है। यह भी कहा कि इससे कई रियल एस्टेट परियोजनाएं दिवालिया हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि 10 जून, 2020 को नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्रों में रियल एस्टेट कंपनियों को उस समय बहुत जरूरी राहत मिली थी, जब शीर्ष अदालत ने भूमि के बकाया पर लगाए जाने वाले 15 से 23 प्रतिशत की ब्याज दर को आठ प्रतिशत पर सीमित कर दिया था। हालांकि शीर्ष अदालत ने अपने पिछले साल के आदेश को वापस ले लिया है।

Sports

ओसासुना को हराकर शीर्ष पर बरकरार बार्सीलोना

बार्सिलोना ।

बार्सीलोना क्लब ओसासुना को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग में शीर्ष पर बना हुआ है। बार्सीलोना की ओर से राफिन्हा ने विजयी गोल किया। अब बार्सीलोना दूसरे स्थान पर कायम रीयाल मैड्रिड से पांच अंक आगे हो गयी है। इस मैच में ओसासुना की ओर से छठे मिनट में ही गार्शिया ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी पर बार्सीलोना के पेड्री गोंजालेस ने 48वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी राफिन्हा ने 85वें मिनट में हेडर के जरिये गोल किया। इस मैच में बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोवस्की और गैरार्ड पीक को लाल कार्ड मिला ।

PKL 9 : अंतिम रेड तक चले मुकाबले में बंगाल और यूपी ने खेला सीजन का सातवां टाई

पुणे। (एजेंसी)

बंगाल वारियर्स और यूपी योद्धाज के बीच मंगलवार को बालेवाड़ी स्थित श्री शिवछत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला गया वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन का 66वां मैच 41-41 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह इस सीजन का सातवां टाई है। दोनों टीमों का यह 11वां मैच था। सीजन का दूसरे टाई के बाद यूपी पहले की तरह 11वें स्थान पर ही जबकि बंगाल ने दूसरी टाई के साथ एक स्थान की छलांग लगाई है। बंगाल की ओर मनिंदर ने 18 अंक बनाए जबकि यूपी की ओर से रोहित तोमर ने 16 और परदीप नरवाल ने 11 अंक बनाए। चार मिनट के बाद यूपी 5-1 से आगे थे। बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। एक डिफेंडर का शिकार हुआ और बंगाल ऑल आउट की कगार पर थे, जिसे अंजाम देकर यूपी ने 9-3 की लीड मिल चुकी थी। ऑलइन के बाद परदीप ने सुपर रेड के साथ यूपी को 12-3 से आगे कर दिया। परदीप ने इसके साथ इस सीजन में 100 रेड प्वाइंट्स पूरे किए। इसके बाद यूपी ने लगातार तीन अंक हासिल किए। बंगाल के लिए फिर सुपर टैकल आन था। शुभम ने रोहित को लपक बंगाल को दो अंक दिलाए। फिर परदीप ने डू ओर डाई रेड पर सुपर टैकल की स्थिति में दो अंक लिए। स्कोर 17-6 था। फिर यूपी के डिफेंस ने दीपक को डू ओर डाई रेड पर लपक बंगाल को दूसरी बार ऑल आउट कर 20-7 की लीड ले ली। मनिंदर ने अगली रेड पर दो अंक लेकर बंगाल को राहत दी। फिर बंगाल के डिफेंस ने परदीप का शिकार कर लिया। मनिंदर ने नितेश को आउट कर यूपी को ऑल आउट की ओर धकेला। यूपी हालांकि दो बार ऑल आउट टालने में सफल रही। दोनों बार रोहित ने अंक लिए। पहले हाफ की समाप्ति तक यूपी 25-15 से आगे थे। ब्रेक के बाद रोहित ने तीसरी बार अपनी टीम को ऑल आउट से बचाया। मनिंदर ने परदीप का शिकार किया और फिर रोहित ने दो बार और ऑल आउट बचाकर सुपर-10 पूरा किया। फिर मनिंदर ने नितेश को आउट कर सुपर-10 पूरा किया। अगले प्रयास में बंगाल के डिफेंस ने रोहित को डैश कर स्कोर 21-30 कर दिया। आलइन के बाद बंगाल ने लगातार दो बार परदीप का शिकार किया। 10 मिनट बचे थे और स्कोर 32-26 से यूपी के हक में था। दीपक ने डू ओर डाई पर सुपर रेड लगाया और स्कोर 29-32 कर दिया। इसके बाद बंगाल ने यूपी को दूसरी बार ऑल आउट कर फासला 1 अंक किया और फिर लगातार दो अंकों के साथ पहली बार लीड ली और जल्द ही उसे 3 का कर दिया। लगातार तीन नाकामी के बाद परदीप ने सुपर रेड के साथ स्कोर 37-37 कर दिया। इसी के साथ परदीप ने सुपर-10 पूरा किया। मनिंदर ने हालांकि डू ओर डाई पर तीन अंक लेकर बंगाल को फिर 3 अंक से आगे कर दिया। और फिर डिफेंस ने परदीप को लपक लिया। अगली रेड पर रोहित अंक लेकर आए।

वेसली सो नें जीता ग्लोबल शतरंज का खिताब भारत के निहाल रहे उपविजेता

नई दिल्ली (निकलेश जैन) (एजेंसी)

फाइनल मुकाबले में भारत के 18 वर्षीय शतरंज ग्रांड मास्टर निहाल सरीन को पराजित करते हुए यूएसए के अनुभवी खिलाड़ी वेसली सो नें ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है । फाइनल में हारने के बाद भी निहाल दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों को प्रभावित करने में कामयाब रहे । फाइनल में वेसली सो नें निहाल को 4.5-1.5 के बड़े अंतर से हराया पर निहाल नें इससे पहले अजरबैजान के रौफ मामेदोव, रूस के पूर्व विश्व चैम्पियन व्लादिमीर क्रामनिक को पराजित कर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी इसके बाद प्री क्वाटर फाइनल में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी डिंग लीरेन को मात देते हुए उन्होने अंतिम आठ में जगह बनाई थी तो क्वाटर फाइनल में यूएसए के सेमुयल सेवियन को पराजित करते हुए सेमी फाइनल में प्रवेश किया था । सेमी फाइनल में उन्होने नीदरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी अनीश गिरि को मात देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी इसके साथ ही वेसली सो को 2 लाख डॉलर तो निहाल को 1 लाख डॉलर का पुरूष्कार दिया गया । अन्य खिलाड़ियों में यूएसए के हिकारु नाकामुरा तीसरे , नीदरलैंड के अनीश गिरि चौथे , अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव पांचवे स्थान पर रहे ।

FIFA World Cup : सबसे बड़े टूर्नामेंट में पहली बार महिलाएं निभाएंगी रैफरी की भूमिका

टोक्यो। (एजेंसी)

जापान की रैफरी योशिमी यामाशिता उन तीन महिलाओं में शामिल हैं जिन्हें कतर में पुरुष फुटबॉल विश्व कप मुकाबलों में रैफरी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में पहली बार महिलाएं रैफरी की भूमिका में नजर आएंगी। फ्रांस की स्टेफनी फ्रेपार्ट और रवांडा की सलीमा मुकांसंगा भी रैफरी की भूमिका निभाएंगी। ये तीनों कतर विश्व कप के लिए चुने गए 36 रैफरी के पूल में हैं - बाकी सभी पुरुष हैं। फीफा ने 69 सहायक रैफरी का पूल भी बनाया है जिसमें भी तीन महिला सहायक रैफरी को नामित किया है। ये ब्राजील की नुजा बैक, मैक्सिको की करेन डियाज मेडिना और अमेरिका की कैथरीन नेस्बिट हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : गर्सिया ने एकल वेरोनिका और एलिस ने युगल खिताब जीता

फोर्ट वर्थ । (एजेंसी)

फ्रांस की कैरोलीन गर्सिया ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का एकल खिताब जबकि वेरोनिका कुद्रमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने युगल खिताब जीता है। गर्सिया ने महिला एकल में बेलारुस की आर्यना सबलेंका को आसानी से 7-6 (4), 6-4 से हराया। गर्सिया को पहले सेट में संघर्ष करना पड़ा पर अंत में उसने सबलेंका पर जीत दर्ज की। इसी के साथ ही गर्सिया सत्र की अंतिम प्रतियोगिता को जीतने वाली दूसरी फ्रांसीसी खिलाड़ी बनी हैं। इससे पहले साल 2005 में एमेली मौरेस्मो ने यह प्रतियोगित जीती थी। वहीं युगल मुकाबले में वेरोनिका कुद्रमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने बारबोरा क्रेजिसिकोवा और कटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी को 6-2, 4-6, 11-9 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कुद्रमेतोवा और मर्टेंस टाईब्रेकर में एक समय 7-2 से पीछे चल रही थी पर इसके बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा किया। क्रेजिसिकोवा और सिनियाकोवा ने इस साल जिन तीन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में भाग लिया था। जिसमें उन्होंने खिताब जीता था पर इस बार वह अपने सत्र का अच्छा अंत नहीं कर पायीं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग : सूर्यकुमार शीर्ष पर कायम, अर्शदीप भी चार पायदान ऊपर आये

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में टीम इंडिया के सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार को एशिया कप के बाद विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। सूर्यकुमार ने टी20 विश्व कप में अब तक पांच मैचों में 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए हैं। वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 869 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के ही युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चार स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में पाक के मोहम्मद रिजवान 830 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर जबकि न्यूजीलैंड के डेवोन कोन्वे 779 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 762 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक के बाद लोकेश राहुल को पांच स्थान का लाभ मिला है और वह 16वें नंबर पर पहुंच गये हैं। विराट कोहली 11वें और रोहित शर्मा 18वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप चार स्थान ऊपर आकर 23वें जबकि पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी 22 वें नंबर पर हैं। वहीं भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन पांच पायदान ऊपर आकर 13वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा शीर्ष पर बने हुए हैं। हसरंगा ने इस टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए हैं। वहीं अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

सूर्यकुमार अभी लंबा सफर तय करेगा : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह मेरे जैसे ही खेलता है और आने वाले समय में और बेहतर बनेगा। इससे पहले सूर्यकुमार यादव ने डिविलियर्स की तरह उन्हें भी 'मिस्टर 360 डिग्री' कहे जाने को सही नहीं बताया और कहा कि स्टार दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज से मेरी तुलना नहीं की जा सकती। वहीं डिविलियर्स ने कहा कि सूर्यकुमार इस प्रकार की तुलना के काबिल हैं। वह मैदान में हर जगह शॉट खेल सकते हैं। सूर्यकुमार ने इस विश्वकप के पांच मैचों में 225 रन बनाये हैं, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इस दौरान उन्होंने 75 रन के औसत से रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 193.97 का रहा है। इस दौरान उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की अपनी क्षमता से क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों को हैरान भी किया है। इस बल्लेबाजी ने कठिन हालातों में भी रन बनाकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी डिविलियर्स से अपनी तुलना को खारिज करते हुए सूर्यकुमार ने कहा था कि सिर्फ एक ही खिलाड़ी 'मिस्टर 360 डिग्री' जैसे तमगे का अधिकारी है पर डिविलियर्स ऐसा नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सूर्यकुमार के लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि वह बहुत लंबा सफर तय कर चुका है। मुझे उम्मीद नहीं थी की वह इतना बेहतर करेगा।''

टीम इंडिया के लिए मुश्किल पैदा कर सकते हैं वुड

एडीलेड । (एजेंसी)

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। वुड ने अभी तक अच्छी गेंदबाजी करते हुए इस विश्वकप में 9 विकेट लिए हैं। वे टीम की ओर सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर है। विश्वकप में दोनों टीमों के बीच एक दशक बाद कोई मुकाबला होने जा रहा है। वहीं वुड सबसे तेज गेंद डालने वाले खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनकी रफ्तार से भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वुड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 4 ओवर में 149.02 किमी प्रति घंटा की औसत से गेंदबाजी की थी। यह एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में किसी गेंदबाज का सबसे अच्छा स्पेल है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 154.74 करीब लगभग 155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद डाली थी। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की सबसे तेज गेंदबाज हैं। सबसे तेज गेंद की बात करें, तो टॉप-10 में 6 गेंद वुड की हैं। इससे उनकी तेजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन सबसे तेज गेंद फेंकने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 154.55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाली थी। वुड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 154.48, वुड ने अफगानिस्तान के ही खिलाफ 154.48 और दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्किया ने बांग्लादेश के खिलाफ 154.31 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी।

टी20 विश्वकप से बाहर होना निराशाजनक : बेली

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच जॉर्ज बेली ने टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराश जतायी है। इसके अलावा उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुकाबले से बाहर किये जाने पर भी अपनी सफाई दी है। कोच के अनुसार स्टार्क को इसलिए बाहर किया गया क्योंकि कप्तान आरोन फिंच चोट के कारण टीम से बाहर थे और ऐसे में उनकी जगह शामिल किये गये कैमरन ग्रीन से टीम को एक विकल्प मिल गया था। ग्रीन डेथ ओवरों में भी प्रभावी गेंदबाजी में सक्षम थे। बेली ने कहा, 'हर बार जब ऑस्ट्रेलियाई टीम किसी बड़े टूर्नामेंट या सीरीज में उतरती तो उससे सभी को काफी उम्मीदें रहती हैं। हम भी सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने से निराश हैं। बेली ने माना कि न्यूजीलैंड के हाथों पहले मैच में मिली 89 रनों की हार ने टीम को नुकसान हुआ था। वहीं सहायक कोच डेनियल वेटोरी ने कहा कि बल्लेबाजों को हार के अंतर को कम करने का प्रयास करना चाहिये था। वहीं इसपर बेली ने कहा, 'नेट रन रेट से पीछे रहने का अर्थ था कि बहुत सी चीजें शायद हमारे बस से बाहर हो जातीं। इसके बाद हर मैच में आप रन-रेट को बेहतर करने का प्रयास करते हैं पर यहां अन्य टीमों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए।

गुणातिलक पर लगे आरोपों की जांच करेगी श्रीलंकाई कमेटी

ऑस्ट्रेलियाई जांच एजेंसियों से पूरा सहयोग करेगा बोर्ड

कोलंबो । (एजेंसी)

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने बल्लेबाज धनुष्का गुणातिलक पर ऑस्ट्रेलिया में लगे बलात्कार के कथित आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय एक कमेटी बनायी है। इस जांच समिति में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज न्यायमूर्ति सिसिरा रत्नायके, अधिवक्ता निरोशन परेरा और असेला रेकावा को शामिल किया गया है। एसएलसी ने कहा कि यह कमेटी धनुष्का पर लगे सभी आरोपों की जांच करेगी। धनुष्का विश्वकप के लिए श्रीलंकाई टीम में शामिल थे पर वह चोटिल होने के कारण अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये गये थे। उनपर सिडनी में एक महिला ने जबरन संबंध बनाने के आरोप लगाये हैं। उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रेलियाई जेल में बंद हैं। उनकी जमानत याचिका भी खारिज हो गयी है। वहीं श्रीलंकाई बोर्ड ने उनका अनुबंध समाप्त करते हुए उन्हें निलंबित भी कर दिया है। एसएलसी ने कहा, ''जांच समिति के रिपोर्ट सौंपने के बाद अगर किसी खिलाड़ी या अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक कार्यों के दौरान गलत काम करने या लापरवाही की बात साबित होती है तो श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति उसके खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी'' श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि जांच समिति गुणातिलक के आचरण और अन्य घटनाओं को लेकर टीम मैनेजर से तुरंत स्पष्टीकरण मांगेगी क्योंकि टीम के एक अन्य खिलाड़ी पर भी ब्रिसबेन के एक कैसीनो में मारपीट के आरोप लगे हैं। 31 साल के बल्लेबाज गुणातिलक को सिडनी की स्थानीय अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। एसएलसी ने यह भी कहा है कि वह निष्पक्ष जांच करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कानून-प्रवर्तन एजेंसियों को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि गुणातिलका और महिला ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए पिछले कई दिनों से एक दूसरे के संपर्क में थे। इस खिलाड़ी को स्थानीय समयानुसार तड़के एक बजे सिडनी के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। उस समय श्रीलंका की टीम स्वदेश जाने के लिए छह बजे की उड़ान पकड़ने के लिए हवाई अड्डा रवाना होने की तैयारी कर रही थी।

सविता FIH नेशन्स कप में भारत की अगुवाई करेगी, नवजोत की टीम में वापसी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

हॉकी इंडिया ने स्पेन के वालेंसिया में 11 से 17 दिसंबर तक खेले जाने वाले महिला एफआईएच नेशन्स कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए गोलकीपर सविता पूनिया की अगुवाई में बुधवार को 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद बाहर होने वाली मिडफील्डर नवजोत की टीम में वापसी हुई है जबकि रक्षापंक्ति की खिलाड़ी दीप ग्रेस एक्का टीम की उप-कप्तान होंगी। एफआईएच महिला नेशन्स कप अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इसके चैंपियन को एफआईएच महिला प्रो लीग 2023-2024 सत्र का टिकट मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पूल बी में चिली, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ है, जबकि पूल ए में आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन की टीमें शामिल हैं। भारत टूर्नामेंट के पहले दिन चिली के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, जबकि अनुभवी नवजोत कौर की टीम में वापसी हुई है। नवजोत कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर हो गयी थी। टीम में रिजर्व गोलकीपर बिचू देवी खरीबाम भी शामिल हैं, जबकि ड्रैग-फ्लिकर गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता और इशिका चौधरी एक्का के साथ रक्षापंक्ति को मजबूत बनाएंगी। मिडफील्ड में निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू खरीबाम, मोनिका, नेहा, सोनिका, ज्योति और नवजोत कौर होंगी, जबकि अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, संगीता कुमारी और डुंगडुंग के पास होगी। इस साल अगस्त में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम ने 2021-22 एफआईएच प्रो लीग में पहली बार भाग लेते हुए अर्जेंटीना और नीदरलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर रही थी। भारतीय टीम की मुख्य को यानेक शॉपमैन ने हॉकी इंडिया से जारी बयान में कहा, 'मैं इस दल के सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। हमारे खेल का स्तर ऊंचा हो रहा है और यह समूह बहुत प्रतिस्पर्धी है। 20 खिलाड़ियों को चुनना मुश्किल था लेकिन मेरा मानना है कि इस टीम के पास खुद को साबित करने का अच्छा मौका है।'

अर्शदीप पर रहेगा गेंदबाजी का दारोमदार

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपने पहले ही टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है। टीमें के सेमीफाइनल तक के सफर में इस गेंदबाज की अहम भूमिका रही है। अर्शदीप ने अंतिम ओवरों में अपनी यॉर्कर गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है। टी20 वर्ल्ड कप के 8वें सत्र में वे अभी टीम इंडिया के सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होने अभी तक 10 विकेट लिए हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में भारतीय टीम की गेंदबाजी इस युवा गेंदबाज पर आधारित रहेगी। टीम इंडिया के गेंदबाजों के प्रदर्शन की बात करें, तो अर्शदीप सिंह का स्ट्राइक रेट 10.8 का है। इस प्रकार हर 11वीं गेंद पर उन्होंने विकेट लिया है। उन्होंने अब तक 18 ओवरों में 7.83 की इकोनॉमी से 141 रन दिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या का स्ट्राइक रेट 11.2 का रहा है। पंड्या ने अब तक 8 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर आर अश्विन और मोहम्मद शमी का स्ट्राइक रेट 17-17 का जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अक्षर पटेल का 18.6 का है। वहीं सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों की बात करें, तो इंग्लैंड के युवा तेज गेंदबाज सैम करेन का स्ट्राइक रेट बेस्ट है। उनका स्ट्राइक रेट 8.8 का है. यानी वे हर 9वीं गेंद पर विकेट ले रहे हैं. इंग्लैंड के ही तेज गेंदबाज मार्क वुड का स्ट्राइक रेट 9.3 का है. ये दोनों गेंदबाज सेमीफाइनल में टीम इंडिया को परेशान कर सकते हैं. टी20 वर्ल्ड कप के मौजूदा सीजन में सबसे तेज गति से गेंद फेंकने का रिकॉर्ड वुड के ही नाम है. उन्होंने 155 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद डाली थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आस-पास भी बहुत कुछ

ऊटी व आस-पास घूमने के लिए हमने एक दिन के लिए छोटी बस किराये पर ली थी। मानसून में ऑफ सीजन होता है, तो हमें यह बेहद कम दाम में उपलब्ध हो गई। ऊटी में तो हम जगह-जगह घूमे ही, ऊटी के आस-पास भी बहुत-से ऐसे स्थान थे जहां जाकर हम रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। पहले जिक्र करते हैं ऊटी से आठ किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडाबेटा शिखर की। यहां पूर्वी व पश्चिमी घाटों का मिलन होता है। यहां से नीलगिरी पहाडियों का अकल्पनीय दृश्य नजर आता है। डोडाबेटा शिखर शोला वनों से घिरा है। पर्यटन विभाग ने यहां एक दूरबीन भी लगा रखी है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

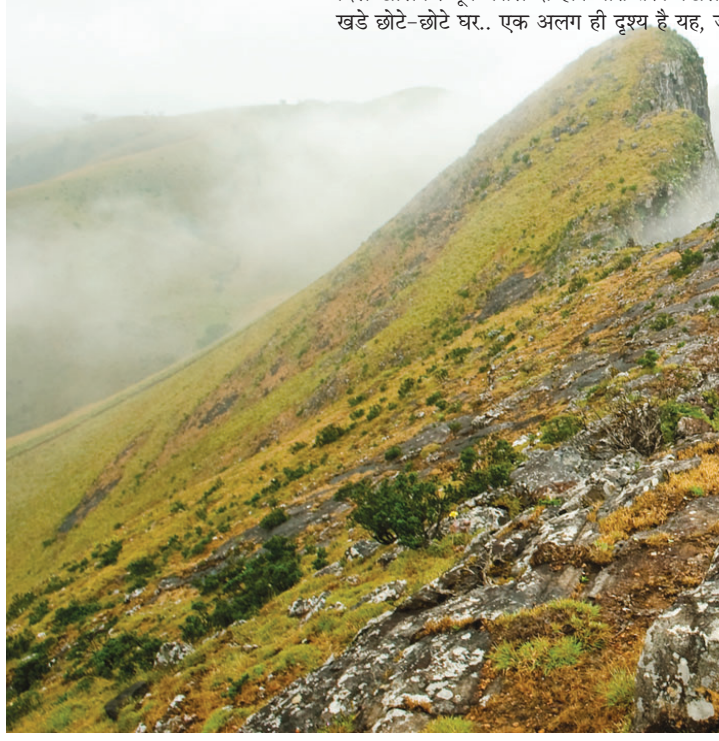

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

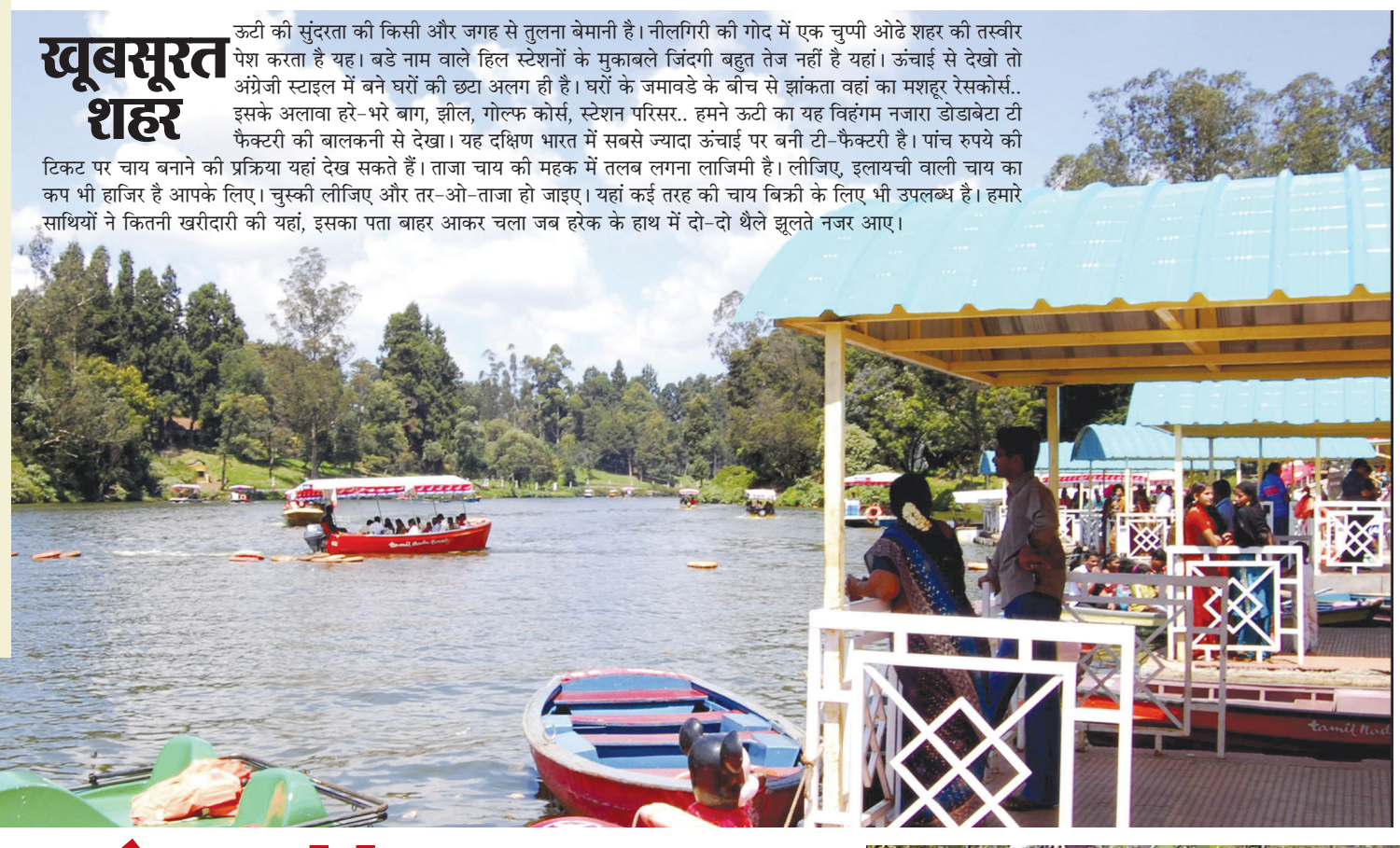

लोकेशन

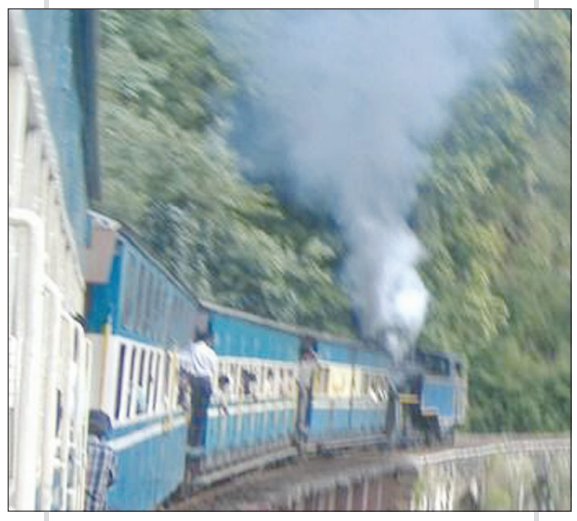

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

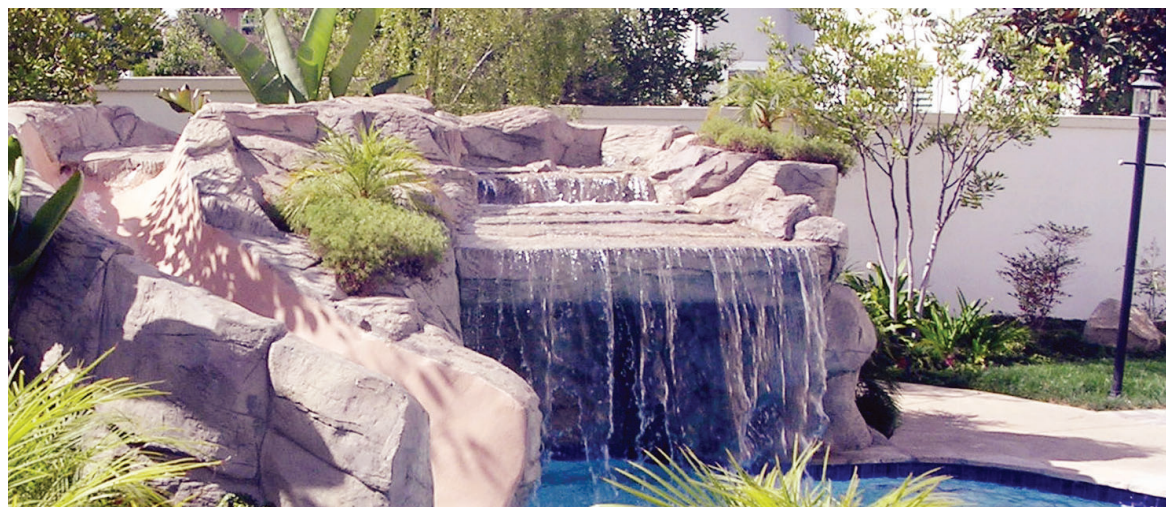

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार श्री थानेदार ने जीता अमेरिकी प्रतिनिधिसभा चुनाव

वॉशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार श्री थानेदार अमेरिका की प्रतिनिधिसभा में चुने जाने वाले पांचवें और मिशिगन से चुने गए पहले भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार मार्टेल बिविंग्स को हराया है। थानेदार (67) फिलहाल मिशिगन सदन में तीसरे जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। आज हुए चुनाव में थानेदार को 84,096 जबकि बिविंग्स को 27,366 वोट मिले हैं। थानेदार से पहले डॉक्टर अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और प्रमिला जयपाल निर्वाचित होकर कांग्रेस पहुंचे हैं और इन चारों के अगली कांग्रेस में पुन-निर्वाचित होने की संभावना है।

तुर्किये में एक घर में लगी भीषण आग, हादसे में परिवार के आठ सीरियाई शरणार्थी बच्चों की मौत

अंकारा। उत्तर पश्चिमी तुर्किये में एक घर में हीटर के कारण आग लगने की घटना में एक महिला और छह सीरियाई शरणार्थी बच्चों की झुलसकर मौत हो गई। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। गवर्नर याकुप कैनबोलाट ने कहा, बर्सा प्रांत के यिल्दिरिम जिले में एक चार मंजिला इमारत की पहली मंजिल में मंगलवार की देर रात आग लग गई। पीड़ितों में एक वर्ष से लेकर 10 साल की उम्र के छह भाई-बहन, उनकी 31 वर्षीय मां और 10 और 11 साल की दो चचेरी बहनें थीं। गवर्नर के अनुसार, उनके पिता, हादसे के समय घर पर नहीं थे। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को बचाने की कोशिश की, लेकिन धुएं से दम घुटने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कैनबोलाट ने कहा, 'दमकल विभाग की टीम तुरंत इलाके में पहुंची और आग बुझाने के प्रयास किए, लेकिन आग बुझ जाने के बाद, अंदर की तस्वीर दुखद थी। हमें गहरा दुख पहुंचा।' उन्होंने कहा, 'यह दहला देने वाला था। इसे बयां करना मुश्किल है।' कैनबोलाट ने कहा कि घटनास्थल के प्रारंभिक निरीक्षण से पता चला है कि आग स्टोव हीटर के कारण लगी थी। धुएं के कारण दम घुटने से तीन पड़ोसियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मस्क के लिए गले की फांस बनेगा टिवटर, गर्भवती कर्मचारियों ने कोर्ट जाने की धमकी दी

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे बड़े अमीर कारोबारी एलन मस्क की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं। ट्विटर उनके गले की फंस बन सकता है। मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए अप्रैल में 44 अरब डॉलर की डील की थी और फिर उससे मुकर गए थे। लेकिन कोर्ट-कचहरी से बचने के लिए आखिर उन्होंने पिछले महीने के अंत में यह डील पूरी कर ली। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक ताबड़तोड़ फैसले किए। मस्क ने सबसे पहले भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार टॉप अधिकारियों को बाहर कर दिया। फिर उन्होंने कंपनी के बोर्ड को भंग कर दिया। इसके बाद मस्क ने ट्विटर के आधे कर्मचारियों की छुट्टी कर दी। भारत में तब 90 फीसदी कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया। ट्विटर से बाहर हुई कर्मचारियों में कई गर्भवती महिलाएं भी हैं। इनमें से एक महिला ने मस्क को कोर्ट में घसीटने की धमकी दी है। उन्होंने ट्वीट किया, 'सी यू इन कोर्ट'। हालांकि, ट्विटर ने उनके ट्वीट्स को हटा दिया। इस महिला का नाम शेनन लू है। वह ट्विटर में डेटा साइंस मैनेजर के पद पर थीं। कंपनी ने पिछले शुक्रवार को दुनियाभर में 3700 कर्मचारियों को बाहर कर दिया था। इसमें शेनन लू भी शामिल थीं। रिपोर्ट के मुताबिक शेनन लू इसी साल जनवरी में ट्विटर में आई थीं। लू ने लिखा, ट्विटर में मेरी यात्रा उस समय समाप्त हुई जब मैं छह महीने की गर्भवती हूं।' लू ने एक और ट्वीट में लिखा, 'यह भेदभाव है। मैं इसके खिलाफ लड़ूंगी। मेरा परफॉरमेंस पिछली तिमाहियों से अच्छा रहा है। मैं जानती हूं कि अन्य मैनेजरों के पास मेरे जितनी अच्छी रेटिंग नहीं है। शेनन लू की तरह रेचल बॉन भी ट्विटर में छंटनी की शिकार हुई हैं। वह आठ माह की गर्भवती हैं। वह कंपनी के सैन फ्रांसिस्को ऑफिस में कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर थीं। निकाले जाने के बाद उन्होंने अपने नौ महीने के बच्चे को हाथ में लेकर एक फोटो शेयर कर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा, टिवटर वास्तव में ट्विटर था।'

यूक्रेन पर हमले के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने वाले प्रस्ताव पर मतदान करेगा संरा

कीव। संयुक्त राष्ट्र महासभा यूक्रेन पर हमला कर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने वाले एक प्रस्ताव पर सोमवार को मतदान करेगी। इस प्रस्ताव में रूस द्वारा क्षतिपूर्ति का भुगतान करने का भी प्रावधान है। प्रस्ताव के मसौदे में यूक्रेन के खिलाफ रूस के ''गलत कृत्यों'' से हुए ''नुकसान या चोट के लिए क्षतिपूर्ति का एक अंतरराष्ट्रीय तंत्र'' स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में वीटो का अधिकार रखने वाले रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला करने के बाद से ही उसके ज्यादातर प्रस्तावों में रोड़ा अटकाया है। लेकिन महासभा में कोई वीटो नहीं है और उसने रूसी आक्रमण की आलोचना करते हुए पहले ही चार प्रस्ताव पारित किए हैं। सुरक्षा परिषद की तुलना में महासभा के प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं लेकिन वे दुनिया की राय और रूस के सैन्य कदमों के व्यापक विरोध को दर्शाते हैं। यह प्रस्तावित प्रस्ताव कनाडा, ग्वाटेमाला, नीदरलैंड और यूक्रेन ने पेश किया है। महासभा की प्रवक्ता पोलिना कुबैक ने मंगलवार को कहा कि प्रस्ताव के मसौदे पर चर्चा नहीं होगी लेकिन देश महासभा की कार्रवाई के बाद या पहले अपने वोट पर स्पष्टीकरण दे सकते हैं।

अमेरिका ने अनाज आपूर्ति समझौते के विस्तार पर दिया जोर

कीव । संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा-थॉमस ग्रीनफील्ड ने आगाह किया कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से किए गए अनाज आपूर्ति समझौते के विस्तार पर निर्भर करती है। ग्रीनफील्ड ने कहा कि दुनियाभर में 82.8 करोड़ लोग रोजाना भूखे पेट सोते हैं। इसकारण यह अनिवार्य है, कि काला सागर के माध्यम से यूक्रेन की शिपमेंट (खेप) को बहाल करने के लिए किए गए समझौते का विस्तार हो। यह समझौता 11 दिन में समाप्त हो रहा है। कीव में उन्होंने कहा, यूक्रेन ने लंबे समय तक दुनिया को अनाज की आपूर्ति की है, लेकिन रूस द्वारा उस पर हमला करने से यूक्रेन के गेहूं के खेत युद्ध के मैदान में तब्दील हो गए हैं। रूसी बल जानबूझकर यूक्रेन के कृषि क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं।'' ग्रीनफील्ड ने बताया कि उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा कि खाद्य सुरक्षा ''निजी तौर पर उनकी प्राथमिकता है। जेलेंस्की के साथ बैठक में उन्होंने दोहराया कि अमेरिका जब तक आवश्यक है, यूक्रेन की सहायता करेगा। ग्रीनफील्ड ने सर्दियों के मौसम में आने वाली परेशानियों से निपटने के लिए यूक्रेन को अतिरिक्त 2.5 करोड़ डॉलर की मदद देने की घोषणा की, क्योंकि रूसी सैनिक लगातार बुनियादी ढांचों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने एक अनाज भंडारण केंद्र में किसानों से कहा कि वह अब भी यूक्रेन को ''दुनिया के अन्नदाता के रूप में'' देखती हैं और 18 नवंबर को समाप्त हो रहे अनाज आपूर्ति संबंधी समझौते का विस्तार संयुक्त राष्ट्र की प्राथमिकता है। ग्रीनफील्ड ने कहा, इसका (युद्ध का) असर वास्तव में पूरे वैश्विक खाद्य बाजार पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि रूस ने खेत तबाह कर दिए, अनाज भंडारण केंद्रों पर हमले किए और ट्रैक्टर भी चोरी किए हैं। ग्रीनफील्ड ने कहा, ''उन्होंने केवल असैन्य ढांचों पर भयावह हमले नहीं किए, उन्होंने विश्व खाद्य आपूर्ति पर भी हमले किए हैं। उन्होंने अभी तक का सबसे भयानक खाद्य सुरक्षा संकट खड़ा कर दिया है। इससे इथियोपिया, दक्षिण सूडान, सोमालिया, यमन जैसे देशों के लिए हालात बदतर हो गए, जो पहले ही अकाल का सामना कर रहे हैं। ''

यूक्रेन पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन, रुस के खिलाफ मतदान होगा

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र महासभा यूक्रेन पर हमला कर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने वाले एक प्रस्ताव पर मतदान करेगी। इस प्रस्ताव में रूस द्वारा क्षतिपूर्ति का भुगतान करने का भी प्रावधान है। प्रस्ताव के मसौदे में यूक्रेन के खिलाफ रूस के ''गलत कृत्यों से हुए ''नुकसान या चोट के लिए क्षतिपूर्ति का एक अंतरराष्ट्रीय तंत्र'' स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में वीटो का अधिकार रखने वाले रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला करने के बाद से ही उसके ज्यादातर प्रस्तावों में रोड़ा अटकाया है। लेकिन महासभा में कोई वीटो नहीं है और उसने रूसी आक्रमण की आलोचना करते हुए पहले ही चार प्रस्ताव पारित किए हैं।

अटलांटा में जोय सर्सिस सेंटर के बाहर लगा दो अरब डॉलर से महंगा पावरबाल टिकट।

फिर तानाशाह ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, नहीं बाज आ रहा अपनी हरकतों से

सियोल । दक्षिण कोरिया और अमेरिकी युद्धाभ्यास से गुस्साएं उत्तर कोरिया के तानशाह ने एक दिन में रिकॉर्ड 23 मिसाइल दागने के बाद फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। मीडिया रिपोर्ट में दक्षिण कोरिया की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। हालांकि अभी लांच के प्रोजेक्टाइल और रेंज से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया और जापान लगातार नार्थ कोरिया की हरकतों पर नजर लगाए हुए है। इससे पहले पिछले हफ्ते इसतरह के एक लांच के दौरान मिसाइल दक्षिण कोरियाई जल क्षेत्र के करीब आकर गिरी थी। उत्तर कोरिया की मिसाइल के दक्षिण कोरियाई जल क्षेत्र के करीब आकर गिरने के बाद दोनों देशों में तनाव की स्थिति बनी थी। उत्तर कोरिया को जवाब देकर दक्षिण कोरिया ने भी एक के बाद एक तीन मिसाइल दाग कर साफ कर दिया कि वह भी झुकने वाला नहीं है। यह मिसाइल उत्तर कोरिया के एक दर्जन मिसाइल दागे जाने के बाद जवाब के रूप में फायर की गई थी। इससे पहले दक्षिण कोरिया और अमेरिका के युद्धाभ्यास को देखने के बाद उत्तर कोरिया ने दोनों देशों को इतिहास में सबसे भयानक कीमत चुकाने के लिए परमाणु हथियारों का उपयोग करने की धमकी दी थी।

नवाज के आफिस के बाहर इमरान समर्थक ने लिखा 'आप आईके चोर को नहीं मार सकते'

लंदन (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक समर्थक ने यहां उस इमारत की दीवार पर पेंट पोत दिया जिसमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ के बेटे हुसैन का कार्यालय है। ब्रिटेन में कानून के तहत यह अपराध नुकसान पहुंचाने के दायरे में आता है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) अध्यक्ष इमरान खान के एक ब्रिटिश पाकिस्तानी समर्थक अली ने ट्विटर पर एक तस्वीर डाली जिसमें उसे स्टेनहोप हाउस की चाहरदीवारी के सामने खड़े देखा जा सकता है। इस दीवार पर स्प्रे पेंट से लिखा गया था 'आप आईके चोर को नहीं मार सकते।

इस वाक्य को सोशल मीडिया पर अनेक लोग शरीफ परिवार के खिलाफ बता रहे हैं। वजीराबाद में एक रैली में खान को गोली लगने के कुछ ही दिन बाद यह घटना सामने आई है। खान ने बार-बार आरोप लगाया कि नवाज शरीफ के छोटे भाई प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उन तीन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने उनकी हत्या की साजिश रची है। शहबाज ने खान के आरोपों को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान (70) के विरोध मार्च के दौरान गुरुवार को पंजाब प्रांत में उनके कंटेनर-ट्रक पर हमला किया गया जिसमें उनके पैर में गोली लगी थी। सफल सर्जरी के बाद इस समय वह लाहौर में आराम कर रहे हैं।

अली को नियमित रूप से एवनफील्ड हाउस तथा स्टेनहोप हाउस के बाहर नवाज विरोधी नारे लगाते देखा जा सकता है। कुछ ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने अली की तारीफ की, वहीं कुछ अन्य ने कहा कि यह कार्रवाई ब्रिटेन में आपराधिक क्षति के तहत आती है। ब्रिटेन के आपराधिक क्षति अधिनियम 1971 के तहत, दीवार पर पेंटिंग करते हुए पकड़े गए किसी व्यक्ति को दस साल तक की कारावास की सजा या 5,000 पाउंड से अधिक का नुकसान होने पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

यदि नुकसान 5,000 पाउंड से कम है, तो दोषी को तीन महीने की जेल या 2,500 पाउंड के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। अपराधियों पर असामाजिक व्यवहार अधिनियम, 2003 के तहत भी मुकदमा चलाया जा सकता है। हालांकि, शिकायत या आरोप दायर किए जाने के बारे में कुछ नहीं बताया गया। 72 वर्षीय नवाज शरीफ नवंबर 2019 में चिकित्सा संबंधी आपात स्थिति में लंदन पहुंचे थे और तभी से वहां हैं। उन्हें एवनफील्ड संपत्ति मामले में दोषी ठहराया गया था और दस साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उनके बेटे हसन नवाज और हुसैन नवाज लंदन में रहते हैं। पाकिस्तान की एक अदालत ने उनके खिलाफ पिता के साथ दर्ज भ्रष्टाचार के तीन मामलों में से एक में भी पेश नहीं होने पर उन्हें 'भगोड़ा' घोषित किया था।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज को जी20 शिखर बैठक में शी जिनपिंग से मुलाकात की उम्मीद

कैनबरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को कहा कि अगर दक्षिणपूर्व एशिया में इस माह होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक संभव हो तो यह एक

'सकारात्मक कदम' होगा। चीनी नेता के साथ अपनी पहली मुलाकात की संभावनाओं के बारे में अल्बानीज के लहजे में बदलाव से पता चलता है कि ऑस्ट्रेलियाई नेता को उम्मीद है कि उनकी बातचीत हो सकती है।

अल्बानीज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बातचीत अच्छी बात है, और इसलिए यदि शी जिनपिंग के साथ बैठक की व्यवस्था की जाती है, तो यह एक सकारात्मक चीज होगी। अल्बानीज शुक्रवार को कंबोडिया में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया से रवाना होंगे। इसके बाद इंडोनेशिया में जी20 की बैठक और फिर थाईलैंड में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच की बैठक में शामिल होंगे। अल्बानीज ने कहा कि उनका कार्यालय 'विभिन्न नेताओं' के साथ कई बैठकों का आयोजन कर रहा है, जिसकी घोषणा विवरण को अंतिम रूप दिए जाने पर की जाएगी।

चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में जमी बर्फ ने मई के बाद से पिघलने के संकेत दिखाए हैं, जब अल्बानीज की मध्य वाम लेबर पार्टी ने नौ वर्षों में पहली बार चुनाव जीता था। बीजिंग ने तुरंत मंत्री-से-मंत्री स्तरीय संपर्कों पर प्रतिबंध में ढील की घोषणा कर दी थी। ऑस्ट्रेलिया में चीन के राजदूत जिओ कियान ने अगस्त में कहा था कि बीजिंग ऑस्ट्रेलिया के साथ चर्चा करेगा कि क्या नवंबर में अल्बानीज के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया में शी जिनपिंग से मिलने के लिए स्थितियां सही होंगी। शी जिनपिंग के पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद नहीं है।

जेलेंस्की ने पुतिन को दी चेतावनी, अपनी एक सेंटीमीटर जमीन नहीं देगी यूक्रेनी सेना

कीव (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के नौ महीने से ज्यादा का समय हो गया है। रूस ने यूक्रेन पर हमले पहले से कहीं और तेज कर दिए हैं। यूक्रेन भी रूसी सेना का डटकर सामना कर रहा है। इस बीच, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने राष्ट्रपति पुतिन को चेतावनी देकर कहा कि उनकी सेना मॉस्को को अपनी एक सेंटीमीटर जमीन तक नहीं देगी। जेलेंस्की का यह बयान पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के नियंत्रण के लिए जारी लड़ाई के बीच आया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस द्वारा यूक्रेनी क्षेत्रों के कब्जे करने वालों की गतिविधि बेहद उच्च स्तर पर बनी हुई है। हर दिन दर्जनों हमले हो रहे हैं। हम अपनी एक सेंटीमीटर जमीन रूसी सेना को नहीं देने वाले हैं।

मंगलवार की रात यूक्रेन ने रूसी सैनिकों पर दक्षिणी शहर खेरसॉन में बुनियादी ढांचे को लूटने और नष्ट करने का आरोप लगाया है। रूसी तोपखाने ने खेरसॉन और मायकोलाइव क्षेत्रों में 30 से अधिक बस्तियों को निशाना बनाया है। इस बीच, पुतिन ने कहा कि उनके लामबंदी अभियान के हिस्से के रूप में बुलाए गए 50,000 रूसी सैनिक अब यूक्रेन में लड़ाकू इकाइयों के साथ लड़ रहे हैं। वहीं, यूक्रेन ने रूस के साथ वार्ता पर अपने सख्त रुख को दोहराते हुए कहा कि वे केवल तभी फिर से बातचीत शुरू कर सकते हैं, जब क्रेमलिन सभी यूक्रेनी क्षेत्र को छोड़ दे।

क्वात्रा ने पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी कॉलिन कहल से द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर की चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने नीतिगत मामलों के प्रभारी अमेरिका के अवर रक्षा सचिव कॉलिन कहल से मुलाकात की और दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों ने 'भारत-अमेरिका प्रमुख रक्षा साझेदारी' के महत्व को रेखांकित किया जिसने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में मदद की है। विनय क्वात्रा इस समय अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने सोमवार को उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमेन से मुलाकात की और भारत-अमेरिका संबंधों और उनके द्विपक्षीय सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंगलवार को बैठक के दौरान कहल और क्वात्रा ने नई दिल्ली में अगली 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की पहल पर चर्चा की। कहल ने ट्वीट किया भारतीय विदेश सचिव वीएम क्वात्रा के साथ मुलाकात सुखद रही। हमने अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने और मुक्त एवं स्वतंत्र हिंद प्रशांत को प्रोत्साहित करने समेत कई द्विपक्षीय पहलों पर चर्चा की। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल डेविड हेरंडन ने कहा दोनों नेताओं ने हिंद महासागर क्षेत्र और यूरोप सहित आपसी सुरक्षा हितों से संबंधित विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हेरंडन ने कहा बातचीत कई मुद्दों पर हुई, जिसमें नौसेना-से-नौसेना सहयोग को गहरा करना, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में, अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच परिचालन समन्वय को सुविधाजनक बनाने के लिए सूचना साझाकरण और रसद सहयोग का विस्तार करना और उभरते रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग और साझेदारी के माध्यम से भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तेजी लाना शामिल है। सन 2018 में अपनी स्थापना के बाद से 2+2 मंत्रिस्तरीय मंच ने अमेरिका और भारत को एक उन्नत, व्यापक रक्षा साझेदारी बनाने की दिशा में काम करने की अनुमति दी है जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। पेंटागन ने पहले कहा था कि भारत के साथ अमेरिका की बहुत करीबी साझेदारी और रक्षा संबंध हैं और दोनों देश उस रिश्ते को और विकसित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। अमेरिका ने 2016 में भारत को एक 'प्रमुख रक्षा भागीदार' के रूप में मान्यता दी, एक ऐसा दर्जा जो भारत को अमेरिका के निकटतम सहयोगियों और भागीदारों के बराबर अमेरिका से अधिक उन्नत और संवेदनशील तकनीक खरीदने की अनुमति देता है और भविष्य में स्थाई सहयोग सुनिश्चित करता है। भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुले और संपन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में बात कर रही हैं।

रूस से दूरी बनाने के दौरान भारत के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्धः अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति जो बाइडन नीत अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह रूस से दूरी बनाने के दौरान भारत के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस के अनुसार, ऐसे कई देश हैं जिन्होंने इस कठिन तथ्य को पहचान लिया है कि रूस ऊर्जा या सुरक्षा क्षेत्र में विश्वसनीय स्रोत नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब रूस के साथ भारत के संबंधों की बात आती है, तो अमेरिका ने लगातार यह स्पष्ट किया है कि यह एक ऐसा रिश्ता है, जो कई दशकों में विकसित और मजबूत हुआ है। और वास्तव में यह शीत युद्ध के दौरान बना और मजूबत हुआ जब अमेरिका, भारत के लिए आर्थिक, सुरक्षा व सैन्य भागीदार बनने की स्थिति में नहीं था।

उन्होंने कहा, ''अब परिस्थितियां बदल गई हैं। पिछले 25 साल में इसमें बदलाव आया है। यह वास्तव में एक विरासत है, एक द्विपक्षीय विरासत, जिसे इस देश ने पिछले 25 साल में हासिल किया है। वास्तव में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के प्रशासन ने सबसे पहले इसकी शुरुआत की थी।'' प्राइस ने कहा कि अमेरिका ने आर्थिक, सुरक्षा और सैन्य सहयोग समेत हर क्षेत्र में भारत के साथ अपनी साझेदारी को गहरा करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसा बदलाव है जिस पर हम हमेशा से स्पष्ट रहे हैं, यह रातों-रात नहीं हो सकता यहां तक कि कुछ महीनों या शायद कुछ वर्षों में भी संभव नहीं है। भारत एक बड़ा देश है, एक विशाल देश है, एक बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसकी कई जरूरते हैं।''

प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''इसलिए, भारत से जिस बदलाव व पुनर्व्यवस्था की उम्मीद करते हैं, उसको लेकर मौजूदा प्रशासन भारत के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है। यह न केवल मौजूदा प्रशासन के लिए बल्कि आने वाली सरकारों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।'' भारत द्वारा रूस से तेल की खरीदी पर किए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका ने तेल और गैस, ऊर्जा क्षेत्र को लेकर रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में छूट सोच-समझकर दी है। उन्होंने कहा, ''भारत में ऊर्जा की अत्यधिक मांग है वह रूस से तेल और ऊर्जा के अन्य स्रोत हासिल करता है यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो लगाए गए प्रतिबंधों के विरुद्ध हो।''

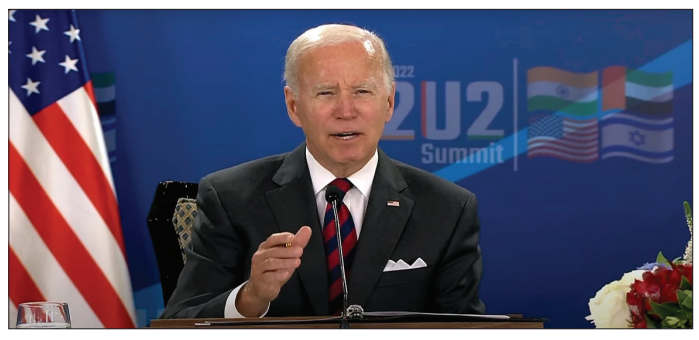

प्राइस ने कहा कि अमेरिका पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि अब रूस के साथ हमेशा की तरह व्यापार करने का समय नहीं है और यह दुनिया भर के देशों पर निर्भर करता है कि वे रूस के साथ उन आर्थिक संबंधों को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं। यह कुछ ऐसा है जो सामूहिक हित में है, लेकिन यह दुनिया भर के देशों के द्विपक्षीय हित के लिए भी जरूरी है कि समय के साथ-साथ रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता में कमी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा, '' ऐसे कई देश हैं जिन्होंने इस कठिन तथ्य को पहचान लिया है कि रूस ऊर्जा के क्षेत्र में विश्वसनीय स्रोत नहीं है। रूस सुरक्षा संबंधी क्षेत्र में विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता नहीं है। रूस पर किसी भी क्षेत्र में भरोसा नहीं किया जा सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पराली को जलाने से रोकने, कृषि यंत्रों पर 50 फ़ीसदी का अनुदान

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने फसल कटने के बाद पराली अथवा नरवाई को जलाने से रोकने के लिए, कृषि यंत्रों पर 50 फ़ीसदी का अनुदान देने का प्रस्ताव किया है। जिसे जल्द ही लागू कर दिया जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार ने फसल अवशेष प्रबंधन योजना का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें स्टारीपर, बेलन, रीपर, कम बाइंडर,मल्चर,हैप्पी सीडर, जीरो टिल,सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल,रोटावेटर, प्लाऊ,सहित अन्य कृषि यंत्रों को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश शासन ने लघु सीमांत महिला। अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के किसानों को 50 फ़ीसदी अनुदान तथा सामान्य श्रेणी के किसानों को 40 फ़ीसदी अनुदान देने का प्रस्ताव तैयार किया है। मध्यप्रदेश में गेहूं, धान,सोयाबीन, चना सहित अन्य फसलों की कटाई हार्वेस्टर से होने के कारण नरवाई खेत में छूट जाती है। वहीं धान की फसल की पराली को जलाने से रोकने के लिए कृषि यंत्रों पर अनुदान देने का निर्णय लिया है। इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अनुदान की राशि सीधे किसान के खाते में अंतरित की जाएगी।

कर्नाटक से चोरी बालाजी की मूर्ति तमिलनाडु में बरामद, पुजारी ने किया था पैसों के बदले में मूर्ति का सौदा

नई दिल्ली। कर्नाटक में मांड्या के एक मंदिर से चोरी हुई भगवान बालाजी की एक प्राचीन मूर्ति तमिलनाडु के गोबीचेट्टीपलायम में एक मकान से बरामद कर ली गयी है। राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की मूर्ति शाखा ने बुधवार को यह जानकारी दी। मूर्ति शाखा पुलिस ने बताया कि मध्य जोन के अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक बालमुरुगन की देखरेख में इंस्पेक्टर इलांगो के नेतृत्व में जांच अभियान चलाया गया। पुलिस कर्मियों ने अपने आप को प्राचीन मूर्ति के तस्कर बताया, जिसके बाद बालाजी की प्रतिमा बरामद की गयी। शुरुआती जांच में पता चला कि बालाजी की मूर्ति मांड्या में एक मंदिर के पुजारी ने कुछ साल पहले चुरायी थी तथा गोबीचेट्टीपलायम के एक वकील को बेच दी थी। पूछताछ के दौरान वकील ने स्वीकार किया कि वह कनिष्ठ वकील के तौर पर काम कर रहा था। उनका वरिष्ठ वकील मांडया में एक मंदिर के पुजारी को जानता था। पुजारी की वित्तीय हालत खराब थी तथा उसने पैसों के बदले में मूर्ति देने का सौदा किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस मूर्ति की कीमत करोड़ों रुपये में है। जब्त की गयी 22.8 किलोग्राम वजनी, 58 सेंटीमीटर ऊंची और 31 सेंटीमीटर चौड़ी मूर्ति को कुंबकोणम की अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया।

बीड़-बिलिंग घाटी में पैराग्लाइडिंग के दौरान हादसे में भारतीय नौसेना के अफसर की मौत

धर्मशाला । हिमाचल के कांगड़ा में बीड़-बिलिंग घाटी में पैराग्लाइडिंग के दौरान हुए हादसे में एक भारतीय नौसेना के अफसर की मौत हो गई है। मृतक अफसर की पहचान केरला निवासी विबन देव (33) के रूप में की गई है। विबन देव भारतीय नौसेना में ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। विबन देव अपने दोस्तों के साथ बीड़ बिलिंग घाटी घूमने के लिए आए थे। वहां उन्होंने पैराग्लाइडिंग के लिए सोलो उड़ान भरी। उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद उसका पैरागलाइडर दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद उन्हें तुरंत पालमपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों से उन्हें मृत घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि डेढ़ माह पहले भी बिलिंग घाटी में सेना के एक पायलट की अभ्यास के दौरान मौत हो गई थी। मृतक पायलट जोरिन मविया चवगतू (28) निवासी मिजोरम के रहने वाले थे। उनका पैराग्लाइडर संतुलन बिगड़ने से लैंडिंग साइट से पीछे क्रैश होकर गिर गया था। वह लैंड करते समय करतब दिखाने का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान पैराग्लाइडर उलझ गया और ऊंचाई से नीचे गिर गया। बीड़-बिलिंड में पैराग्लाइडिंग के दौरान लगातार हादसे हो रहे हैं। गाड़ियों में ओवरलोडिंग और नियमों के अवेहलना के चलते यहां लगातार घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जा रही है। बीते कुछ माह पहले हाईकोर्ट ने यहां पर साहसिक गतिविधियों पर रोक लगा दी थी। बाद में फिर से पैराग्लाइडिंग को चालू कर दिया गया था। बीड़ बिलिंग में बढ़ते हादसों के बाद पुलिस और प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में, बिलिंग से उड़ान भरने के बाद कांगड़ा और मंडी जिलों में 35 से अधिक पैराग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं, जिसमें विदेशियों सहित 12 पायलटों की मौत हो चुकी है।

बाबरी केस में आडवाणी, जोशी और उमा भारती को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने बरी करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या विवादित ढांचा मामले में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और कल्याण सिंह समेत 32 से को बरी करने के खिलाफ डाली गई याचिका को खारिज कर दिया है। आपको बता दें कि सीबीआई की विशेष अदालत ने पहले 30 सितंबर 2020 को सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। उस समय कोर्ट ने साफ तौर पर कहा था कि मस्जिद को गिराने की योजना ना तो बनी थी और ना ही इसमें कोई साजिश थी। कोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। 2 जजों की बेंच ने 31 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाया है। फैसले के मुताबिक आज लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, कल्याण सिंह समेत 32 नेताओं को बरी कर दिया गया है। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति सरोज यादव की पीठ ने इस मामले में अयोध्या के दो मुस्लिम निवासियों, हाजी महबूब अहमद और सैयद अखलाक अहमद द्वारा लखनऊ में एक विशेष सीबीआई अदालत के भाजपा नेताओं को बरी करने के फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया। दाखिल याचिका में दावा किया गया था कि 6 दिसंबर 1992 को जो विवादित ढांचा गिराए गया था। उसके वह दोनों गवाह हैं। याचिका में दावा किया गया था कि उनका घर भी उस वक्त जल गया था। ऐसे में वह इसके शिकार भी थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी आरोप लगाया गया था कि जांच एजेंसी ने आरोपियों को बचाने में अपनी भूमिका निभाई। जबकि पीड़ित पक्ष को राज्य सरकार, पुलिस और सीबीआई से कोई मदद नहीं मिली।

बिहार में एक और गर्भाशय कांड- सात महिलाओं की कोख निकाली

- एक निजी नर्सिंग होम में अलग-अलग बीमारियों का इलाज कराने गई थीं महिलाएं

पटना । बिहार के एक निजी नर्सिंग होम में अलग-अलग बीमारियों का इलाज कराने या डिलीवरी के लिए गई सात महिलाओं का गर्भाशय निकाल लिया गया। अब अधिकारियों ने बिहार के पश्चिमी चंपारण के एक निजी नर्सिंग होम में बिना सहमति के सात महिलाओं के गर्भाशय निकाले जाने की शिकायतों की जांच शुरू कर दी है। पश्चिम चंपारण के सिविल सर्जन डॉ बीरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने निजी अस्पतालों में कथित अवैध गतिविधियों पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान रामनगर पंचायत क्षेत्र के एक अस्पताल के अंदर 11 महिला मरीज मिलीं। इन 11 मरीजों में से सात का गर्भाशय निकाला जा चुका था। जबकि दो या तीन महिलाओं की सी-सेक्शन डिलीवरी हुई। सिविल सर्जन के मुताबिक 'उन सभी का पांच से सात दिन पहले ऑपरेशन किया गया था। इसलिए उन्हें परेशान करने के बजाय, हमने अपनी एएनएम (सहायक नर्स दाई) और दो पुरुष स्टाफ और एक सुरक्षाकर्मी को तैनात किया। लेकिन अस्पताल प्रशासन से जुड़े कुछ लोगों ने सुबह दो बजे से चार बजे के बीच मरीजों को हटा दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद अधिकारियों ने एक मरीज के घर पर छापा मारा, लेकिन वह वहां से भी गायब थी। टीम ने एक अन्य महिला मरीज के साथ उसका पता लगाने में कामयाबी हासिल की। इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिले में चल रहे स्वास्थ्य रैकेट की शिकायत के बाद अवैध निजी अस्पतालों के खिलाफ छापेमारी करने के लिए टीम का गठन किया गया था। इसी छापेमारी के दौरान ये बड़ा खुलासा हुआ।

भूकंप के झटकों से फिर डोली उत्तराखंड की धरती, रिक्टर स्केल पर 4.3 की तीव्रता मापी गई

शिमला। उत्तराखंड में कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे डरकर लोग घरों से बाहर निकल आए। मंगलवार देर रात एक बजकर 57 मिनट पर आए भूकंप के तेज झटके से लोग अचानक गहरी नींद से जागे और अनहोनी की आशंका से घरों से बाहर भागे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.3 रही, जिसका केन्द्र नेपाल में था। लोग अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाए थे कि बुधवार सुबह छह बजकर 27 मिनट पर एक बार फिर भूकंप से धरती डोलने से लोग सहम गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इस बार भूकंप का केंद्र भारत–नेपाल सीमा पर उत्तराखंड का पिथौरागढ़ था जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.3 मापी गयी। भूकंप से फिलहाल प्रदेश में जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

हिमाचल में बोले मल्लिकार्जुन खड़गे, पीएम बढ़ती बेरोजगारी की तरफ देख ही नहीं रहे, हम वादे पूरा करेंगे

शिमला (एजेंसी)।

कांग्रेस के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भाजपा जो वादा करते हैं, वह पूरा नहीं करती है। इसके साथ ही उन्होंने हिमाचल प्रदेश में जनसभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने जो भी वादा किया है उसे पूरा करेगी। अध्यक्ष बनने के बाद यह उनकी पहली चुनावी सभा थी। उन्होंने कहा कि कहा कि कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह ऐसे वादे नहीं करती जिन्हें पूरा नहीं किया जा सके। खड़गे ने कहा कि पूरे देश में 14 लाख वैकेंसी खाली हैं और हिमाचल में 65 हजार वैकेंसी खाली हैं, उन वैकेंसीज को भरा नहीं जा रहा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब 13-14 लाख वैकेंसीज हैं, तो प्रधानमंत्री सिर्फ 70-75 हजार ही सर्टिफिकेट बांटते हैं। प्रधानमंत्री बढ़ती बेरोजगारी की तरफ देख ही नहीं रहे। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ रही है, जीडीपी गिर रही है, इन समस्याओं की तरफ प्रधानमंत्री देख ही नहीं रहे। खड़गे ने कहा कि यहां किसानों-बागवानों के पास फसल-फल बेचने के लिए मंडी नहीं है, एमएसपी नहीं है। यहां से फल सस्ते दाम पर खरीद कर बाहर ले जाकर महंगे बेचे जाते हैं। बड़े व्यापारियों को मोदी सरकार, यहां की सरकार सपोर्ट करती है, क्या आपको ऐसी सरकार चाहिए? उन्होंने कहा कि यहां हमने जो 10 वादे किए हैं, वो हम पूरा करेंगे। क्योंकि यूपीए सरकार के समय हमने डा. मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में रू.72000 करोड़ के कर्ज माफ किए थे। हम हिमाचल प्रदेश में भी किसानों के कर्ज माफ करेंगे।

खड़गे ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर तंज कसते हुए कहा, नड्डा जी का चुनाव कैसे हुआ, यह किसी को पता नहीं। भाजपा में चुनाव नहीं होता है, वहां सिर्फ नियुक्ति होती है। कांग्रेस में लोकतंत्र है। उन्होंने अग्निपथ योजना को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा, अग्निवीर चार साल के लिए बना रहे है। इसके बाद युवा क्या करेगा? मंदिर में घंटी बजाएगा? भाजपा सरकार की आदत है कि लोगों को दिशाहीन किया जाए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मतदाता 12 नवंबर को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को जयराम जी की (अलविदा) कहते हुए मतदान करेंगे।

भगोड़े नीरव मोदी के भारत लाने का रास्ता हुआ साफ, ब्रिटेन हाई कोर्ट ने खारिज की अर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भगोड़े नीरव मोदी को लेकर अब तक की बड़ी खबर आ रही है। नीरव मोदी के भारत आने का रास्ता अब साफ हो गया है। नीरव मोदी की अर्जी को ब्रिटेन की एक हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि नीरव मोदी का प्रत्यर्पण गलत नहीं होगा। आपको बता दें कि नीरव मोदी पीएनबी घोटाले में भगोड़ा घोषित हुआ है। कोर्ट ने यह भी कहा कि नीरव का प्रत्यर्पण किसी में नजरिए से अन्याय पूर्ण या दमनकारी नहीं होगा। नीरव मोदी (51) ने दो अरब अमेरिकी डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) कर्ज घोटाला मामले में खुद को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अपील दाखिल की थी जिसपर सुनवाई हुई।

इससे पहले लंदन उच्च न्यायालय ने कहा था कि भारत एक मित्र देश है और ब्रिटेन को भारत सरकार के इन आश्वासनों में खामियां नहीं ढूंढनी चाहिए कि धोखाधड़ी और धनशोधन से संबंधित मुकदमे के दौरान हीरा कारोबारी नीरव मोदी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में पर्याप्त चिकित्सा देखभाल प्रदान की जाएगी।

दुनिया को अफगानिस्तान की स्थिति नहीं भूलना चाहिए, इस पर उचित ध्यान देना जरूरीः जयशंकर

नई दिल्ली/मास्को (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मास्को में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ चर्चा के बाद मंगलवार को कहा कि दुनिया को अफगानिस्तान की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए और उस देश से संचालित आतंकी समूहों को लेकर चिंता बनी हुई है। लावरोव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने आतंकवाद एवं इसके सीमापार प्रारूप सहित अस्थिरता उत्पन्न करने वाले कई कारक गिनाये और कहा कि ये चिंता का बड़ा कारण बने हुए हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि लावरोव के साथ चर्चा के दौरान अफगानिस्तान का मुद्दा भी उठा और इस बात पर जोर दिया गया कि अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों को यह सुनिश्चित करने के लिये काम करना चाहिए कि उस देश से आतंकवाद का कोई खतरा नहीं हो। उन्होंने कहा, '' यह जरूरी है कि दुनिया इस बात को नहीं भूले कि अफगानिस्तान की स्थिति क्या है क्योंकि मुझे आज लगता है कि जितना ध्यान उस पर दिया जाना चाहिए, उतना नहीं दिया जा रहा है।'' जयशंकर ने कहा कि उस देश में मानवीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है और भारत, अफगानिस्तान के लोगों को खाद्यान्न, दवा, कोविड रोधी टीके की आपूर्ति कर रहा है क्योंकि वे कठिन स्थिति का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के पास आतंकवाद और अफगानिस्तान से संचालित आतंकवाद को लेकर चिंता का उचित कारण है। उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी और यह उचित होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर उसके पड़ोसी देश यह सुनिश्चित करें कि अफगानिस्तान से किसी तरह का आतंकी खतरा नहीं हो। जयशंकर ने इस बारे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 के तहत की गई प्रतिबद्धता का पूरी तरह से पालन करने की जरूरत रेखांकित की।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 30 अगस्त को इस वैश्विक निकाय की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह प्रस्ताव अंगीकार किया गया था। जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान के मुद्दे पर वार्ता के विभिन्न प्रारूपों में भारत और रूस सम्पर्क बनाये हुए हैं। ईरान परमाणु करार के बारे में एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि वैश्विक शांति, सुरक्षा और अप्रसार को ध्यान में रखते हुए कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि आगामी सत्र में ईरान की संयुक्त समग्र कार्य योजना (जेसीपीओए) के बारे में चर्चा हो सकेगी क्योंकि भारत का मानना हैकिवैश्विक शांति, सुरक्षा और अप्रसार को ध्यान में रखते हुए कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए। '' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के साथ, सुधारयुक्त बहुस्तरीय व्यवस्था से इंकार करना कठिन हो गया है और इस संबंध में हम रूस के भारत को समर्थन का स्वागत करते हैं।

नोटबंदी के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई न्यायालय ने 24 नवंबर तक की स्थगित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 500 रुपये और 1000 रुपये मूल्य के नोटों को चलन से बाहर करने के केंद्र सरकार के 2016 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई बुधवार को 24 नवंबर तक स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनवाई स्थगित की। इससे पहले अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने मामले में समग्र हलफनामा दायर करने के लिए समय मांगा था।

पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना भी शामिल रहे। वेंकटरमानी ने संपूर्ण हलफनामा तैयार नहीं कर पाने के लिए खेद जताया और एक सप्ताह का समय मांगा। याचिकाकर्ता विवेक नारायण शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि संविधान पीठ से सुनवाई स्थगित करने के लिए कहना बहुत असामान्य बात है। एक पक्षकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिदंबरम ने कहा कि यह असहज करने वाली स्थिति है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि सामान्य रूप से संविधान पीठ इस तरह काम नहीं करती और यह बहुत असहज करने वाला है।

शीर्ष अदालत ने केंद्र को हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया। पीठ केंद्र के 8 नवंबर, 2016 के नोटबंदी करने के फैसले को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। गौरतलब है कि 16 दिसंबर, 2016 को तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश टी एस ठाकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार के फैसले की वैधता और अन्य संबंधित विषयों को आधिकारिक निर्णय के लिए पांच न्यायाधीशों की बड़ी पीठ को भेजा था।

सपा नेता आजम खान को बड़ी राहत, रामपुर उपचुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को रामपुर सदर सीट पर उपचुनाव को लेकर फिलहाल 10 नवंबर तक अधिसूचना जारी नहीं करने को कहा है। दरअसल, आजम खान को नफरत ही भाषण मामले में दोषी पाए जाने के बाद उनकी रामपुर सदर विधायकी रद्द कर दी गई थी। इसके बाद आजम खान ने कोर्ट का रुख किया था। चुनाव आयोग की ओर से उपचुनाव को लेकर डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आजम खान के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने विशेष सत्र अदालत को निर्देश दिया कि वह दोषसिद्धि पर रोक लगाने की समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान की अपील पर बृहस्पतिवार को ही सुनवाई करे और निर्णय भी ले। कोर्ट ने यह भी कहा कि आजम खान की याचिका पर अदालत का फैसला आने के बाद चुनाव आयोग 11 नवंबर या उसके बाद रामपुर सदर विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर सकता है। नफरती भाषण मामले में रामपुर की एक विशेष अदालत ने खान को 27 अक्टूबर को दोषी ठहराया था और तीन साल जेल की सजा सुनाई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जस्टिस चंद्रचूड़ को देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में दिलाई शपथ

-जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी रह चुके हैं देश के मुख्यन्यायाधीश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने औपचारिक रूप से भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ले ली है। जस्टिस चंद्रचूड़ देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश बने बने हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित के उत्तराधिकारी के रूप में न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने रिटायर हो चुके मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित का स्थान लिया है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर, 2024 तक रहेगा। जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ 2 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक भारत के 16वें मुख्य न्यायाधीश रहे थे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब पिता-पुत्र दोनों सीजेआई बने हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ देश के प्रगतिशील और उदार जज के तौर पर जाने जाते हैं। उन्हें नागरिकों के मौलिक अधिकारों के प्रति भी बहुत संवेदनशील माना जाता है। जस्टिस चंद्रचूड़ की सबसे बड़ी विशेषता दुर्व्यवहार करने वालों के प्रति उनका सख्त रवैया माना जाता है। 11 नवंबर 1959 को जन्में जस्टिस चंद्रचूड़ को 13 मई 2016 को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। वह 31 अक्टूबर, 2013 से सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति तक इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 29 मार्च, 2000 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने तक बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे। उन्होंने 1998 से बॉम्बे हाई कोर्ट में जज के रूप में नियुक्त होने तक भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में भी काम किया था। उन्हें जून 1998 में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा एक वरिष्ठ एडवोकेट के रूप में नामित किया गया था।

विदेश से आए गैर मुस्लिमों को नागरिकता दे सकेंगे 9 राज्यों के गृहसचिव व 31 जिलाधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले गैर-मुसलमानों, यथा हिन्दुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों को नागरिकता कानून, 1955 के तहत भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार नौ राज्यों के गृह सचिवों और 31 जिलाधिकारियों को भी दिया गया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की वर्ष 2021-22 (एक अप्रैल से 31 दिसंबर, 2021 तक) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के इन अल्पसंख्यक समुदायों के 1,414 विदेशियों को नागरिकता कानून, 1955 के तहत भारत की नागरिकता प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिन्दुओं, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों को विवादित नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 के स्थान पर नागरिकता कानून, 1955 के तहत भारत की नागरिकता देने के अलग मायने हैं। नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 (सीएए) में भी अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले गैर-मुसलमानों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है। लेकिन, सीएए के तहत अभी तक सरकार द्वारा नियम नहीं बनाए गए हैं, इसलिए अभी तक इस कानून के तहत किसी विदेशी को भारत की नागरिकता नहीं दी गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, केन्द्र ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिन्दुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों को नागरिकता प्रदान करने का अधिकार 2021-22में और 13 जिला कलेक्टरों और दो राज्यों के गृह सचिवों को सौंपा। रिपोर्ट में कहा गया है इसके साथ ही 29 जिलों के कलेक्टरों और नौ राज्यों के गृहसचिवों को उपरोक्त श्रेणी के आव्रजकों (अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिन्दुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों) को नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया गया है। गुजरात के आणंद और मेहसाणा जिलों के जिला कलेक्टरों को यह अधिकार पिछले महीने दिया गया। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले गैर-मुसलमानों (हिन्दुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों) को नागरिकता कानून, 1955 के तहत जिन नौ राज्यों में पंजीकरण या देशीकरण के माध्यम से नागरिकता प्रदान की जा सकती है, वे हैं गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र। दिलचस्प बात यह है कि असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में जहां विदेशियों को नागरिकता देने का मुद्दा राजनीतिक रूप से संवेदनशील है, वहां किसी भी जिलाधिकारी को नागरिकता प्रदान करने का अधिकार नहीं दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारों के विकेन्द्रीकरण से उपरोक्त श्रेणी के लोगों को भारतीय नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और इससे जुड़े फैसले स्थानीय स्तर पर लिए जा सकेंगे। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है एक अप्रैल 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक इस मंत्रालय सहित तमाम प्रशासन द्वारा नागरिकता के कुल 1,414 प्रमाणपत्र दिए गए हैं। इनमें से 1,120 प्रमाणपत्र नागरिकता कानून, 1955 के प्रावधान पांच के तहत पंजीकरण के माध्यम से जबकि 294 प्रमाणपत्र कानून के प्रावधान छह के तहत देशीकरण के माध्यम से दिए गए हैं। सीएए के तहत, केन्द्र की नरेंद्र मोदी नीत सरकार 31 दिसंबर, 2014 तक भारत आए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के गैर मुसलमान आव्रजकों यथा हिन्दुओं, सिखों, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाईयों को भारतीय नागरिकता देना चाहती है। गौरतलब है कि दिसंबर 2019 में संसद में सीएए पारित होने और उसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद देश के कुछ हिस्सों में इसका भीषण विरोध हुआ था। इन प्रदर्शनों, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और इसी से जुड़े फरवरी, 2020 के दिल्ली दंगों में कई लोगों की मौत हुई। हालांकि, इस कानून को अभी तक लागू नहीं किया गया है क्योंकि सीएए के तहत नियमों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात विधानसभा चुनाव-2022 सुरत पर्व, मजूरा, और चोर्यासी विधानसभा के केन्दों पर सुरत पुलिस आयुक्त मुलाक़ात किया

उम्मीदवारों की सूची को लेकर बीजेपी की बैठक, नहीं लड़ेंगे रूपाणी-नितिन पटेल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गुजरात में चारों पार्टियों की तरफ से प्रचार जोरों पर चल रहा है. आम आदमी पार्टी (आप) ने स्टार प्रचारकों की घोषणा की है, जिसमें युवा नेता राघव चड्ढा और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह गुजरात में रैलियां करेंगे। कल 50 साल तक पार्टी से जुड़े रहे मोहनसिंह राठवा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के विजय रूपाणी और नितिन पटेल के टिकट वापस लेने से पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री विधानसभा की दौड़ से हट गए। जबकि कांग्रेस विधायक भगा बार्ड ने केसरियो खेस को दान दिया है. बीजेपी का कहना है कि हम किसी को न्यौता नहीं देते लेकिन हमारे यहां रोज मेहमान आते हैं. गुजरात कांग्रेस अब कांग्रेस छोड़ो अभियान चला रही है। दिल्ली कमलम में उम्मीदवारों की सूची को लेकर बीजेपी की बैठक संपन्न हो गई है. हालांकि बीजेपी द्वारा देर रात लिस्ट जारी करने की चर्चा जोर पकड़ रही थी. वहीं छोटू वासवन के बीटीपी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है. महेश वसावा जगदिया से चुनाव लड़ेंगे। गुजरात कांग्रेस में एक और अंतर गिर गया है। कांग्रेस के तीसरे विधायक ने दिया इस्तीफा

रूपाणी और नितिन पटेल को दी जाएगी बड़ी जिम्मेदारी

आग लगने से पहले ही बीजेपी ने एक पत्थर से दो पक्षियों को मार डाला है. अब इन दोनों नेताओं को एक बड़ी जिम्मेदारी देकर विधानसभा चुनाव से दरकिनार कर दिया गया है। इससे पहले विजय रूपाणी को पंजाब की जिम्मेदारी दी गई थी। अब नितिन पटेल को भी दूसरे राज्य में बड़ी जिम्मेदारी देकर गुजरात चुनाव से दूर रखा जाएगा.सूत्रों से पता चला है कि बीजेपी नेता बी. एल संतोष गांधीनगर भी जा रहे हैं। फिर बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में बदलाव किया गया है. कोर कमेटी में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल को नियुक्त किया गया है। आरसी फल्दू, भूपेंद्र सिंह समेत छह सदस्यों को जोड़ा गया है. एक ओर जहां दो वरिष्ठ मंत्रियों के खातों में अचानक बदलाव हुआ है, वहीं दूसरी ओर भाजपा कोर कमेटी में भी बदलाव किया गया है.इस कोर कमेटी में अब तक 12 सदस्य थे, लेकिन छह और सदस्य थे. बदले गए हैं। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल,

आप प्रदेश अध्यक्ष इटालिया कतरगाम से लड़ेंगे, महामंत्री सूरथिया करंज से लड़ेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर लिखा कि गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया कतरगाम सीट से चुनाव लड़ेंगे जबकि करंज सीट से महामंत्री मनोज सोरथिया चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा बीजेपी छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए पीवीएस शर्मा को माजुरा से टिकट दिया गया है.

नाम की घोषणा होते ही गोपाल इटालिया ने सबसे पहले स्वामीनारायण मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। कटारगाम सीट पाटीदार वोटरों के कारण पाटीदार उम्मीदवार के जीतने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा ओबीसी यानी प्रजापति वोटरों की संख्या भी काफी ज्यादा है. कांग्रेस ने अल्पेश वरिया को चुना है। पाटीदारों -ओबीसी के वर्चस्व वाली करंज सीट पर सोरठिया पर हमला हुआ था । चूंकि मनोज सोरठिया पाटीदार हैं, इसलिए आप उनसे सीधा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ओबीसी और पाटीदार वोटर ज्यादा होने के कारण दो ही विकल्प हैं। इसलिए पाटीदार उम्मीदवार का चयन किया गया है। जब देहे ने मनोज सोरथिया को चुना है, तो पूरी संभावना है कि कांग्रेस और भाजपा भी बोल्ड चेहरे पर उतरेगी। कांग्रेस को पहले से ही अनुमान था कि अगर आम आदमी पार्टी अपना पाटीदार चेहरा छोड़ती है, तो इसका सीधा असर चुनावों पर पड़ सकता है। अगर ओबीसी वोट ५०त्न भी पक्ष में है, तो पाटीदार वोट का महत्व बहुत बढ़ जाएगा।

सूरत में जहां भी पाटीदारों का दबदबा है, रानी की नीति ऐसी नीति देने का माहौल बनाने की है कि एक सीट का असर दूसरी सीट पर पड़े । रणनीति बनाई जा रही है ताकि एक सीट का असर दूसरी सीट पर पड़े, ताकि अगर तीन सीटों पर प्रयास किया जाए तो इसका सीधा असर छह सीटों पर देखने को मिले.